प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED यूनिकॉम unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-4 | अंक-68 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 5 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

महिला को जिंदा जलाने वाला दोषी

कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार की अदालत ने घर में घुसकर एक महिला को जिंदा जलाने के दोषी को फांसी की सजा से दंडित किया है। अभियुक्त गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में है।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि गांव कोह में रहने वाली महिला के पति ने थाना फरह में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके बड़े भाई का साला उमेश निवासी हसनपुर थाना हसनपुर पलवल हरियाणा उसकी पत्नी को करीब छह माह पूर्व बहला-फुसला कर अगवा कर ले गया था। उमेश उसकी पत्नी पर पहले से ही गलत नजर रखता था। इस मामले में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पत्नी को बरामद करने के बाद कोर्ट ने पत्नी को पति के हवाले कर दिया था। इसके बाद 11 मार्च 2025 को करीब 12 बजे दिन में उमेश साड़ी पहनकर महिला के वेश में घर में घुस आया। पत्नी घर पर अकेली थी। उमेश ने पत्नी के साथ दुराचार करने का प्रायस किया। पत्नी के विरोध करने और शोर मचाने पर उमेश ने पत्नी

महिला के वेश में घर में घुसकर घटना को दिया था अंजाम

महिला को जिंदा जलाने के बाद छत से कूदने पर हुआ था घायल

गिरफ्तारी के बाद से ही अभी तक जेल में है निरुद्ध

पर बोतल में भरा ज्वलनशील पदार्थ डालकर उसे जिंदा जला दिया। पत्नी के चीखने चिल्लाने पर उमेश छत के रास्ते भागा और वहां से कूद गया। जिससे उसके पैर और सिर में गंभीर चोट आई। पत्नी आग की लपटों में घिरी हुई थी। आस-पास के लोगों ने जलती महिला की आग को बुछाया। पुलिस को भी ग्रामणों ने घटना की सूचना दी। पुलिस ने गभीर रूप से झुलसी महिला और घायल उमेश को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने उमेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई जिला जज विकास कुमार की अदालत में हुई। जिला जज ने उमेश को महिला को जिंदा जलाने का दोषी पहले ही करार दे दिया है। आज इस मुकदमे में सजा के बिंदुओं पर सुनवाई की गई। अदालत ने इस जघन्न अपराध के लिए उमेश को फांसी की सजा से दंडित किया है।

यूनिक समय की खबर का असर

एफसीआई गोदामों पर तेज हुआ उठान

एफसीआई गोदाम परिसर खाली नजर आता।

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। गेहूं खरीद व्यवस्था में उजागर हुई खामियों पर यूनिक समय में प्रकाशित खबर के बाद प्रशासन और संबंधित एजेंसियां हरकत में आ गई हैं। अब स्थिति में सुधार दिखने लगा है। गोवर्धन रोड स्थित एफसीआई गोदाम पर जहां पहले ट्रकों की लंबी कतारें लगी थीं, वहां अब अधिकांश गाड़ियां समय से खाली हो रही हैं और जाम की स्थिति खत्म हो गई है। सूत्रों के अनुसार, खबर सामने आने के बाद गोदाम प्रबंधन ने अतिरिक्त श्रमिकों की तैनाती और अनलोडिंग प्रक्रिया में तेजी लाई। पहले जहां ट्रकों को 2-3 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा था, वहीं अब 24 घंटे के भीतर गाड़ियां खाली कर दी जा रही हैं। इसका सीधा असर मंडियों पर भी पड़ा है, जहां

ट्रकों की अनलोडिंग में आई तेजी

कई दिनों से अटकी गेहूं की बोरियों का उठान तेजी से शुरू हो गया है। क्रय केंद्रों पर भी अब व्यवस्थाएं सुधरती दिख रही हैं। भीगी बोरियों को अलग किया जा रहा है और सुरक्षित भंडारण के लिए अस्थायी इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने दावा किया है कि आगे से तौल के बाद अनाज को खुले में नहीं छोड़ा जाएगा और उठान की समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। ट्रक चालकों ने भी राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि अब गोदामों पर बेवजह इंतजार नहीं करना पड़ रहा और ट्रांसपोर्ट चक्र फिर से सामान्य होने लगा है। इससे सप्लाई चेन में आई रुकावट काफी हद तक दूर हो गई है।

कालाबाजारी को जाते राशन के चावल से लदा ट्रक पकड़ा

यूनिक समय, राया (मथुरा)। गरीबों को बंटने वाले सरकारी चावल से लदे ट्रक को खाद्य, रसद विभाग की टीम और पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस वे से पकड़ लिया। इस कार्यवाही से राशन माफिया में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी होते ही राया में राशन माफिया में खलबली मच गई। उन्होंने अपने ठिकानों से राशन से भरे गोदामों को खाली करा दिया।

बताया जा रहा है ट्रक राया क्षेत्र से यमुना एक्सप्रेस वे से होते हुए हाथरस के एक व्यापारी के यहां जा रहा था। सूचना पर पहुंची तहसील महावन की टीम ने चावल से लदे ट्रक की जांच पड़ताल कर राशन डीलर की सुपुर्दगी में देकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिसकी रिपोर्ट विभागीय अधिकारी जिलाधिकारी

राशन माफियाओं में मचा हड़कंप

को देंगे।

गौरतलब है कि यूनिक समय ने दो दिन पहले ही फरह क्षेत्र में सरकारी चावल की कालाबाजारी होने की खबर प्रकाशित की थी। इससे पहले वृंदावन में भी इस चावल को कालाबाजारी में बेचने की खबर प्रकाशित की थी।

राया क्षेत्र में पकड़े गए राशन के चावल के बाद यूनिक समय की खबर पर मुहर लग गई है कि जिले में गरीबों के लिए वितरण होने वाले चावल की सस्ते गल्ले की दुकान करने वाले कई दुकानदार लखपति बन गए हैं।

स्टाम्प–रजिस्ट्रेशन में बड़ा फेरबदल

मथुरा अब आगरा सर्किल के अधीन

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार ने स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक बदलाव करते हुए नई संरचना लागू कर दी है। 4 मई को जारी अधिसूचनाओं के तहत सहायक महानिरीक्षक (रजिस्ट्रेशन) और सहायक आयुक्त स्टाम्प के जिला स्तरीय कार्यालयों का गठन किया गया है, वहीं सर्किल स्तर पर भी नई व्यवस्था लागू की गई है। इस बदलाव में मथुरा को आगरा सर्किल के अंतर्गत रखा गया है, जिसमें आगरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी भी शामिल हैं। नई व्यवस्था के अनुसार अब मथुरा जिले में सहायक महानिरीक्षक स्तर का कार्यालय स्थापित हो सकता है, जिससे स्थानीय

नई व्यवस्था से नियंत्रण कड़ा होने के संकेत

स्तर पर निगरानी और प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। शासन का मानना है कि इससे स्टाम्प चोरी, गलत रजिस्ट्रेशन और राजस्व हानि पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। साथ ही प्रदेश को विभिन्न सर्किलों में विभाजित कर उप महानिरीक्षक स्तर पर नियंत्रण तय किया गया है। मथुरा को आगरा मुख्यालय से जोड़े जाने का सीधा मतलब है कि अब जिले के कई महत्वपूर्ण निर्णय और निगरानी आगरा सर्किल के माध्यम से संचालित होंगे।

महंगाई | कॉमर्शियल सिलेंडर की बढ़ी कीमतों का असर

दो महीने में मिठाई के दामों में भारी वृद्धि

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का असर अब स्थानीय बाजारों तक पहुंच गया है। मथुरा में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ने का सीधा प्रभाव मिठाइयों की कीमतों पर देखने को मिल रहा है।

पिछले करीब दो महीनों में शहर के मिठाई विक्रेताओं ने 2 से 3 बार दाम बढ़ाए हैं। मिठाई व्यापारियों का कहना है कि गैस सिलेंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतें इस महंगाई की सबसे बड़ी वजह हैं।

मिठाई बनाने में गैस का सबसे ज्यादा उपयोग होता है और जब गैस महंगी होती है तो सीधा असर लागत पर

पड़ता है। इसके अलावा दूध, खोया, चीनी और अन्य कच्चे माल के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हो रही है। औरंगाबाद क्षेत्र के एक मिठाई विक्रेता ने बताया कि दो महीने पहले तक खोए की मिठाई 360 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, लेकिन अब इसकी कीमत बढ़कर 400 रुपये प्रति किलो हो गई है। उन्होंने

खोया और छेना से बनी मिठाइयां हुईं महंगी

कहा कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति में दिक्कत और दाम बढ़ने के कारण उन्हें मजबूरी में यह बढ़ोतरी करनी पड़ी। इसी तरह शहर के प्रमुख बाजार होली गेट स्थित कालीचरन मिष्ठान भंडार के संचालक ने बताया कि लगभग सभी प्रकार की मिठाइयों पर 20 से 40 रुपये प्रति किलो तक दाम बढ़ाए गए हैं। उन्होंने कहा कि खोए की मिठाइयों के दाम दो बार बढ़ाने पड़े हैं, जबकि छेने की मिठाइयां भी करीब 40 रुपये प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। उनका कहना है कि यदि लागत कम नहीं हुई, तो आगे भी कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं।

बृजवासी शंकर मिष्ठान भंडार पर भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। यहां पहले खोए की मिठाई 480 से 500 रुपये प्रति किलो के बीच मिलती थी, जो अब बढ़कर 540 रुपये प्रति किलो से ऊपर पहुंच गई है। दुकानदारों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है। व्यापारियों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हालात जल्दी सामान्य नहीं हुए, तो इसका असर आगे भी देखने को मिल सकता है। बृज की मिठास पर महंगाई का असर साफ नजर आ रहा है और यह स्थिति आम लोगों के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है।

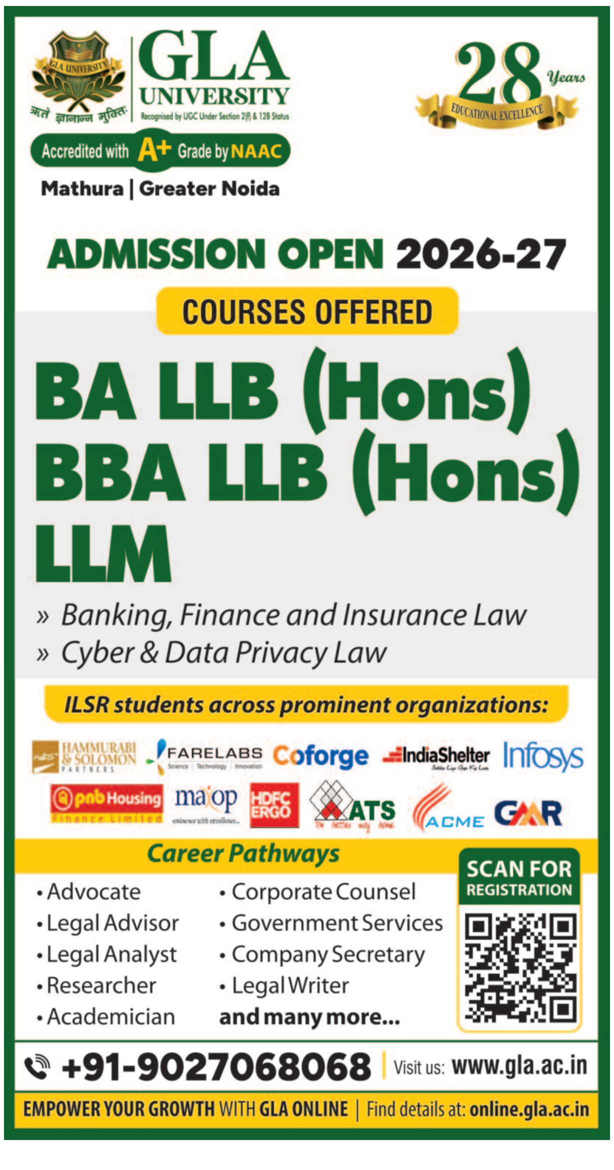

40 साल से मेहनत, फिर भी योजनाओं से वंचित है हाकिम

मेरी तरफ नजर कब होगी, कब तक जूझुंगा गरीबी से

सिलाई की सुई और 50 किलोमीटर साइकिल चलाना

हाकिम तक क्यों नहीं पहुंची सरकारी योजनाएँ?

कागजी योजना और सिस्टम से हारती मेहनतकश जिंदगी

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–आगरा बॉर्डर पर थाना फरह क्षेत्र अंतर्गत एक छोटे से गाँव नगला हरिया में टूटी झोपड़ी में रहने वाले हाकिम की सुबह सात बजे सिलाई मशीन की आवाज के साथ चुप्पी भी सुनाई देती है। 51 वर्षीय हाकिम पुत्र सोवाराम, सिर झुकाए कपड़ा सिल रहे हैं, लेकिन उनकी आँखों में 40 साल की मेहनत और टूटे सपनों की नमी छिपी है साथ ही छिपी है सरकारी योजनाओं के मिलने की आस।

11 साल की उम्र में पिता के बीमार पड़ते ही हाकिम ने पढ़ाई छोड़ दी और सिलाई की सुई थाम ली। तब से आज तक उन्होंने पूरे परिवार की जिम्मेदारी संभाली है। दो बेटियों और एक बेटे की शादी की, लेकिन छह साल पहले पत्नी के निधन के बाद हिम्मत का साथ भी छूट गया। आज छह सदस्यों वाला परिवार झोपड़ी में रहता है, लेकिन राशन कार्ड में सिर्फ तीन सदस्यों के नाम जुड़े हैं। बाकी तीन भूखे सोते हैं या पेटभरकर ईश्वर ही जाने। यूनिक समय की टीम ने जब हाकिम से पूछा कि क्या आप मोबाइल रखते हो नंबर क्या है? तो टूटा सा मोबाइल दिखाते हुए हाकिम बोले बाबूजी मैं पढ़ा लिखा नहीं हूँ नंबर है सात, आठ, एक, आठ, जीरो, तीन, तीन, जीरो, चार, जीरो। हाकिम के पास एक बीघा खेत है, फिर भी किसान सम्मान निधि नहीं मिलती। प्रधानमंत्री आवास योजना का सपना अधूरा है। आयुष्मान भारत कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड भी नहीं बना। अनपढ़ होने और कागजी प्रक्रिया न समझ पाने के कारण हाकिम सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट–काटकर थक चुके हैं।

साइकिल पर सवार हाकिम और झोपड़ी में बैठे हुए।

सरकार का दावा है कि करोड़ों जरूरतमंदों तक योजनाएँ पहुँच रही हैं – राशन कार्ड, आवास, किसान सम्मान निधि, स्वास्थ्य बीमा। आंकड़े बड़े–बड़े दिखाए जाते हैं। लेकिन हाकिम जैसे लोग अभी भी योजनाओं से कोसों दूर हैं। शायद हाकिम जैसे लोगों की आवाज आला अधिकारियों के कानों तक और डबल इंजन की सरकार तक पहुँच ही नहीं पाती है। हाकिम के सामने सबसे बड़ी चुनौती उनकी सिलाई मशीन है, जो उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। स्थानीय छोटे बाजारों में महंगाई, कुशल कारीगरी, ओरिजनल स्पेयर पार्ट और गुणवत्ता की कमी के कारण मशीन खराब होते ही हाकिम को साइकिल से भरतपुर तक 50 किलोमीटर (आना–जाना करीब 100 किलोमीटर) साइकिल से अधिक जाना पड़ता है सिर्फ मशीन ठीक कराने के लिए। थकान से शरीर टूट जाता है, फिर भी अगले दिन सुबह मशीन चालू कर देते हैं। महीने में साढ़े चार से पांच हजार रुपये कमा लेते हैं, लेकिन ग्राहक अक्सर मजदूरी काट लेते हैं। सरकार कहती है कि सबको लाभ मिल रहा है, लेकिन मेरे जैसे गरीब तक कुछ नहीं पहुँचता," हाकिम दर्द भरे स्वर में कहते हैं। उनकी पत्नी की याद में आँखें नम हो जाती हैं, "वो जाती तो कहती – हाकिम, हिम्मत मत हारना।

फिर भी हाकिम हार नहीं मान रहे। छोटे बेटे को सिलाई सिखा रहे हैं। बड़ा बेटा मजदूरी करता है। दोनों बेटियाँ ससुराल में खुश हैं। वे कहते हैं, "मेहनत से जो मिलता है, उसी में खुश रहता हूँ।

हाकिम की कहानी सवाल उठाती है – अगर सरकारी योजनाएँ हाकिम जैसे असली जरूरतमंदों तक नहीं पहुँच रही हैं तो क्या प्रशासन सिर्फ आंकड़े बना रहा है? क्या ये दावे सिर्फ हवा–हवाई हैं? क्या कागजी कार्यवाही और जागरूकता की कमी के कारण लाखों हाकिम अभी भी योजनाओं से वंचित रह जाएंगे?

हाकिम की जिंदगी हमें सिखाती है कि मेहनत कभी नहीं हारती, लेकिन व्यवस्था और समाज को भी जागना होगा। 50 किलोमीटर साइकिल चलाकर मशीन ठीक कराने वाला यह अनपढ़ व्यक्ति हमें याद दिलाता है कि असली इंसानियत कागजों में नहीं, उन तक पहुँचने में है जिन्हें सबसे ज्यादा जरूरत है। यह कहानी सीधे तौर पर उस खाई को दिखाती है, जो सरकारी दावों और जमीनी सच्चाई के बीच मौजूद है। सवाल सिर्फ हाकिम का नहीं, बल्कि उन लाखों लोगों का है जो कागजी प्रक्रिया, जानकारी की कमी और तंत्र की जटिलता में फंसे हुए हैं।

अडींग में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वाहनों की सघन चेकिंग

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना क्षेत्र के गांव अडींग में कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने सघन पैदल गश्त अभियान चलाया। पुलिस चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गांव के मुख्य मार्गों, बाजार क्षेत्रों और भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी तथा स्थानीय लोगों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया। अभियान के तहत दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों की चेकिंग की गई। वाहनों के कागजात, हेलमेट, सीट बेल्ट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। अभियान में हेड कांस्टेबल विजय सिंह, सत्येंद्र यादव, मानवेन्द्र सिंह, कांस्टेबल देवेंद्र, राम सुंदर तथा अमित कुमार आदि पुलिसकर्मी शामिल थे।

यूनिक समय का असर

अब नहीं गिरेगा दूरी दर्शाने वाला साइन बोर्ड

साइन बोर्ड गिरने से हो सकता है जानलेवा हादसा

स्थान की दूरी दर्शाने वाले बोर्ड का पिलर गल गया है नीचे से

यूनिक समय ने प्रकाशित किया था समाचार

साइन बोर्ड की मजबूती को हुई वेल्डिंग

खबर के बाद हरकत में आया पीडब्ल्यूडी विभाग

यूनिक समय, फरह। अब साइन बोर्ड नहीं गिरेगा। यूनिक समय में प्रकाशित समाचार का संज्ञान लेकर लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता ने मौके पर आकर गल गए लोहे के पिलर की मजबूती को काम कराया। बैल्ड़िग के सहारे नई एंगल लगवाई, जिससे यह बोर्ड हादसे की वजह नहीं बन सकेगा। लोक निर्माण विभाग ने कस्बा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग से दीनदयाल रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग पर एक लोहे का बड़ा शाइनेज बोर्ड लगवाया था। इस बोर्ड पर कई नगर और कस्बों के नाम और दूरी अंकित की गई थी।

इस बड़े शाइनेज का पिलर पानी की वजह से नीचे से गल गया था। सड़क किनारे लगाए गए बोर्ड के पिलर के गलने से हादसा होने का खतरा था। यूनिक समय ने इस समस्या को लेकर आसपास के दुकानदारों के हवाले से समाचार प्रकाशित किया था। इस पर मंगलवार को लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता संदीप कुमार तोमर टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मैकेनिक को बुलवाकर बैल्ड़िंग कराई। गले हुए हिस्से को नए एंगल की मदद से सही कराया। यह काम होने के बाद स्थानीय दुकानदारों ने यूनिक समय को धन्यवाद दिया।

गीता शोध संस्थान में नि:शुल्क 'रंगमंच कार्यशालाएं 10 मई से

यूनिक समय, वृंदावन। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा संचालित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में 10 मई से 45 दिवसीय ग्रीष्मकालीन दो 'रंगमंच कार्यशालाओं' का आयोजन किया जायेगा। कार्यशालाओं में प्रतिभागियों को गायन, वादन, नृत्य, और अभिनय का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहली कार्यशाला 8 से 14 वर्ष तक के बालक–बालिकाओं के लिए निर्धारित है, जबकि दूसरी कार्यशाला 15 वर्ष से अधिक आयु के युवक–युवतियों के लिए है। दोनों का समय अलग–अलग रखा गया है, ताकि प्रशिक्षण व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सके। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के कोऑर्डिनेटर चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार के अनुसार दोनों कार्यशालाएं संस्थान के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना (पूर्व निदेशक, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा) के मार्गदर्शन में संचालित होंगी।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

22 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,50,310

22 कैरेट 1,38,285

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,44,980 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐपः 8010957826

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

तहसीलदार छाता की बड़ी कार्रवाई

खनन माफियाओं में खलबली

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। क्षेत्र में अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। उपजिलाधिकारी वैभव गुप्ता के निर्देशन में तहसीलदार द्वारा लगातार की जा रही छापेमार की कार्रवाई से क्षेत्र के खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। मंगलवार की सुबह तहसीलदार ने जैंत और नौगांव क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी का परिवहन कर रहे वाहनों को पकड़कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

छाता तहसीलदार की ओर से की गई कार्रवाई में पकड़े डंपर।

मिली जानकारी के अनुसार, तहसीलदार सचिन पवार को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में रात के अंधेरे और सुबह के वक्त अवैध खनन का खेल चल रहा है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जैत थाना क्षेत्र में तहसीलदार ने घेराबंदी कर मिट्टी से लदे एक डंपर को रंगे हाथों पकड़ा। चालक मौके पर मिट्टी के वैध दस्तावेज या परमिट नहीं दिखा सका। इसी क्रम में कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए नौगांव में भी दबिश दी गई, जहाँ मिट्टी से भरी एक ट्रैक्टर–ट्रॉली को टीम ने अपने कब्जे में लिया।

जैंत और नौगांव में मिट्टी से भरे डंपर व ट्रैक्टर–ट्रॉली जब्त

तहसीलदार की पैनी नजर से नहीं बच पा रहे अवैध खनन करने वाले

पकड़े गए दोनों वाहनों को संबंधित थाना पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। प्रशासन की ओर से खनन विभाग को भी इसकी रिपोर्ट भेजी जा रही है ताकि संबंधित मालिकों पर भारी जुर्माना लगाया जा सके।

बिजलीघर कैंट पर जुटे कार्यकर्ता

स्मार्ट मीटर के विरोध में उतरे कांग्रेसी

स्मार्ट मीटर के विरोध में कैंट बिजली घर पर धरना प्रदर्शन करते कांग्रेसी।

यूनिक समय, मथुरा। जिला कांग्रेस कमेटी ने पूर्व घोषणा के अनुसार प्रीपेड स्मार्ट मीटर के विरोध में मंगलवार को बिजलीघर कैंट पर धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर व कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम मुख्य अधिशासी अभियंता राजीव गर्ग को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जबकि उपभोक्ताओं की सहमति जरूरी बताई जाती है। लेकिन विभाग के द्वारा जबरन स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बकाया रहने पर कनेक्शन काटने की समस्या सामने आती है, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा होती है। प्रीपेड व्यवस्था में बैलेंस समाप्त होने पर आपूर्ति बंद हो जाती है। ट्यूबवेल के लिए निर्धारित बिजली आपूर्ति नियमित नहीं मिल पा रही, जिससे खेती प्रभावित होती है। गांव और शहर दोनों जगह बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने मांग की कि स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए और पहले से लगे मीटर ही चालू रखे जाएं। साथ ही उपभोक्ताओं को मीटर रीडर के जरिए स्पष्ट बिल उपलब्ध कराया जाए। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव मनोज गौड़, शिवदत्त चतुर्वेदी, लता सिंह चौहान, उमेश शर्मा, कुंवर सिंह निषाद, आदित्य तिवारी, अश्वनी शुक्ला, अर्णव चौधरी, प्रवीन ठाकुर, विपुल पाठक, प्रमोद शर्मा, पुनीत बघेल, अबरार हुसैन, ललिता देवी, आरती चौधरी, गीता दिवाकर, भगवान देवी, दीपक दीक्षित, हाकिम सिंह, आशीष अग्रवाल, गंगा शरण, प्रमोद पाठक, महेश चौबे, शैलेंद्र चौधरी, प्रेम शंकर,धर्मेंद्र चौधरी, रवि खरे, काशन रिजवी, गिर्राज निषाद, सुरेश शर्मा, मानवेंद्र पांडव, शाहरुख खान, मोहम्मद दिलशाद सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग

भूतपूर्व सैनिक संघ की मासिक बैठक सम्पन्न

यूनिक समय, मथुरा। भूतपूर्व सैनिक संघ की मासिक बैठक कैप्टन भंवर सिंह की अध्यक्षता में हुई। संबोधित करते हुए संगठन की सदस्यता बढ़ाने तथा युवा पूर्व सैनिकों को संघ की गतिविधियों में क्रियाशील रहने का आह्वान किया।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल एके सिंह ने केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा पूर्व सैनिकों/वीर नारी तथा उनके आश्रितों को दी जा रही सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीव के कोर्डिनेटर खेमचंद शर्मा नगेश ने प्रार्थना पत्रों को स्वीकार किया। ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में संबंधित सदस्य मरीजों को हो रही समस्याओं पर विचार कर स्टेशन कमांडर को पत्र के माध्यम से शीघ्र निदान के लिए निवेदन करने का आश्वासन दिया।बैठक में कैप्टन जवाहरलाल मनोज कुलश्रेष्ठ (वरिष्ठ सहायक) कैप्टन हरिहर शर्मा, प्रेम सिंह, हरिओम तिवारी, विजय शर्मा, आरबी सिंह, ब्रिज सिंह पांडव, श्याम सुंदर, भूपेंद्र चौधरी एवं अशरफ अली आदि उपस्थित थे ।

डीम साहब, हमें दिलवाया जाए मुआवजा

कलेक्ट्रेट पर डीएम को ज्ञापन देने पहुंचे जिखनगांव स्थित एक कॉलोनी के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को जिखनगांव स्थित एक कॉलोनी के प्लॉट और भवन मालिक कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम सीपी सिंह को ज्ञापन दिया। मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण की और से जमीन अधिग्रहण के एवज में दिए जा रहे मुआवजे को पीड़ितों ने उनके खाते में भिजवाने की मांग की। डीएम ने जांच के बाद कार्यवाही का आश्वासन दिया है। जिखनगांव कॉलोनी स्थित प्लॉट के मालिक चंद्रपाल सिंह और देवेन्द्र कुमार सहित दर्जनों लोगों ने कलेक्ट्रेट पर बताया कि उन्होंने खसरा नंबर 417 में प्लॉट खरीदे हैं। करीब 10 साल से जमीन में प्लाट खरीदने का काम चल रहा है। अब काफी लोग मकान बनाकर रह रहे हैं। मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण इस खसरा नंबर से करीब 45 मीटर चौड़ा रोड बनवाने को जमीन अधिग्रहण कर रहा है। ऐसे में जमीन अधिग्रहण का मुआवजा खतौनी में दर्ज जमीन मालिकों के खाते में जाने के आसार हैं। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने कई साल में कई प्लॉट खरीद लिए हैं। खतौनी में भूस्वामी का ही नाम दर्ज है। ऐसे में मुआवजा प्लॉट मालिकों के बजाय जमीन स्वामियों को ही मिलेगा। डीएम ने प्लॉट मालिकों को ही मुआवजा मिलने का आश्वासन देते हुए कार्यवाही की बात कही।

जिखिनगांव कॉलोनी के पीड़ित पहुंचे कलक्ट्रेट, डीएम को सौंपा ज्ञापन

पेट्रोल पंप पर बीती रात युवक के साथ मारपीट

यूनिक समय मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित भरतपुर गेट के पेट्रोल पंप पर मोटसाइकिल सवार युवक के साथ पंप कर्मचारियों ने बुरी तरह मारपीट कर दी और कोतवाली में बंद करा दिया। एसएसपी ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

शहर की भार्गव गली निवासी फहीम पुत्र सलीम कल शाम को करीब सात बजे बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए गया था। पेट्रोल पंप के कर्मचारी से उसने एक लीटर पेट्रोल बाइक में डालने के लिए सेल्समैन से कहा। इसके साथ ही युवक ने उसे 500 रुपये का नोट दिया था। सेल्समैन 400 रुपये लौटाने के लिए कई–कई बार नोटों को गिनने लगा। इस पर युवक ने सेल्समैन की शर्ट को पकड़ कर जल्दी पैसे देने को कहा। बस यहीं से बात बढ़ गई और कुछ ही देर में पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने मारपीट कर दी। पुलिस को भी बुलाया गया। पुलिस ने युवक को रात्रि में कोतवाली में बंद कर दिया। परिवार के लोगों के साथ इस ममले में लोग एसएसपी से मिले। एसएसपी ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी की फुटेज चेक कराली जाए। पूरा मामला साफ हो जाएगा।

सेल्समैन रुपये बार–बार गिनने के बाद भी नहीं दे रहा था

कमाई का जरिया नहीं बना कचरा, बंद हो गए केंद्र

बंद पड़ा कूड़ा संग्रह केंद्र।

यूनिक समय, मथुरा। गांवों को स्वच्छ रखने की परिकल्पना और ग्राम पंचायतों की कमाई का माध्यम बनाने के लिए ग्राम पंचायतों में कूड़ा संग्रह केंद्र बनाए गए थे। जनपद की 459 ग्राम पंचायतों में से 429 में भी ऐसे कूड़ा संग्रह केंद्र बनाने का काम हुआ, लेकिन कचरा प्रबंधन की यह योजना आज तक ग्राम पंचायतों में आय का जरिया ही नहीं बन सकी है।

ग्राम पंचायतों में कचरा प्रबंधन और खाद बनाने की योजना साकार नहीं हो सकी है। 429 ग्राम पंचायतों में बने एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र अब बंद पड़े हुए हैं या खुद कूड़े के ढेर से घिरे हुए हैं। शासन ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में कूड़ा संग्रह केंद्र बनाने के निर्देश दिए। इस पर चार श्रेणियों में कूड़ा संग्रह केंद्र का निर्माण करने को कहा गया। योजना के तहत पांच हजार से ऊपर की आबादी वाली ग्राम पंचायतों करीब 14 लाख, तीन से पांच हजार की आबादी में साढ़े नौ लाख और दो- तीन हजार की आबादी वाली ग्राम पंचायत पांच लाख और दो हजार से कम आबादी वाली ग्राम पंचायत में दो- तीन लाख रुपये में कूड़ा संग्रह केंद्र का निर्माण हुआ।

जिला पंचायत राज विभाग ने जमीन की उपलब्धता वाली 429 ग्राम पंचायतों में करीब 20-25 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च करके यह केंद्र बनवाए। ऐसे केंद्रों के निर्माण का उद्देश्य ग्राम पंचायतों के हर घर से कचरे और कूड़े को एक स्थान पर एकत्रित करके उससे खाद बनाना और निष्प्रयोज्य प्लास्टिक का एकत्रीकरण करना था, जिससे पंचायतों की आय बढ़ाई जा सके। शुरू के कुछ समय तक तो ऐसे केंद्रों पर काफी काम हुआ, लेकिन धीरे- धीरे कचरा प्रबंधन का काम केवल कागजों में सिमट गया।

फरह ब्लॉक की कई ग्राम पंचायतों में ऐसे कूड़ा संग्रह केंद्र अब सफेद

429 ग्राम पंचायतों में बनाए गए कूड़ा संग्रह हो गए हैं निष्प्रयोजय

भूमि अभाव में 30 ग्राम पंचायतों में नहीं बन सके हैं कूड़ा संग्रह केंद्र

हाथी साबित हो रहे है। कहीं पर ताले लटके हुए है तो कहीं ऐसे केंद्रों का इस्तेमाल अन्य सामान रखने के लिए हो रहा है।

जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल का कहना है कि कूड़ा संग्रह केंद्रों में सफाईकर्मी गांव का कूड़ा लाने का काम करते हैं, जहां कूड़े को अलग करने का काम होता है। निरीक्षण के दौरान लापरवाही पर संबंधित कर्मचारी को निलंबित भी किया जाता है। यदि कहीं ऐसा नहीं हो रहा है तो जानकारी करके कार्रवाई की जाएगी।

पार्सल कैंटर यूनिवर्सिटी गेट से टकराकर पलटा, चालक की मौत

कालेज के गेट पर पलटे कैंटर को उठाती जेसीबी।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र के बिचपुरी पुलिस चौकी इलाके में मंगलवार दोपहर एक अनियंत्रित कैंटर पीके कॉलेज के गेट से टकराकर पलट गया। इस हादसे में कैंटर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बिचपुरी पुलिस मौके पर पहुंच गई।

राया-हाथरस मार्ग स्थित गांव बिरहना के समीप गाड़ी संख्या यूपी 16 एस टी 0355 अचानक अलीगढ़ की तरफ से मथुरा जा रही थी। अनियंत्रित होकर पीके कॉलेज के गेट को तोड़ते हुए पलट गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कैंटर तेज रफ्तार में थी और अचानक सड़क से नीचे उतरकर कॉलेज के गेट से टकराकर पलटने से उसके नीचे दबकर चालक टिंकू (45) जीवनपुर थाना गोरई की मौत हो गई। बिचपुरी पुलिस चौकी प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने जेसीबी मंगाकर क्षतिग्रस्त कैंटर को हटवाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हत्या के मामले में दो को आजीवन कारावास

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश राम किशोर पांडेय ने हत्या के मामले में दो अभियुक्तों को आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

एडीजीसी फौजदारी राजू सिंह ने बताया कि अजीत कुमार उर्फ अजीत उर्फ अनिल ने थाना राया में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बड़ा कुमेश चंद शर्मा निवासी केशोपुर थाना मांट 21 अक्टूबर 2019 को समय करीब 11 बजे घर से राया के बिचपुरी रोड की कह कर गया था। शाम पांच बजे वह राया में मांट रोड पर निनुआ नाई की दुकान के समीप से सामान लेकर घर के लिए निकला था, लेकिन उसके बाद वह घर नहीं पहुंचा। परिवार के लोगों ने उसके मोबाइल पर फोन किया तो मोबाइल बंद आ रहा था। सभी जगह उसे तलाश किया गया, लेकिन कुछ पता नहीं लगा।

कोर्ट ने 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

अगले दिन उसकी तलाश में राया आए तो पता लगा कि उसके भाई की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या कर शव को नीम गांव रोड किशन तल्लिया के पास सड़क किनारे पड़ा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में रिंकू पुत्र बच्चू सिंह एवं दयाशंकर पुत्र नेम सिंह को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और आरोप पत्र दोनों अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश राम किशोर पांडेय की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों और सहायक शासकीय अधिवक्ता द्वारा पेश की गई दलीलों को सुनने के बाद दोनों अभियुक्तों को हत्या का दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

जीआरपी ने ट्रेनों में चोरी करने वाला शातिर चोर पकड़ा

यूनिक समय मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने प्लेटफार्म संख्या आठ के समीप पार्क के निकट से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर एक ट्रॉली बैग बरामद किया है। बैग में 2 लाख 25 हजार की नकदी, लेपटॉप, मोबाइल, आईपैड आदि सामान भी मिला है। युवक ने सभी सामान ट्रेनों से चोरी करना स्वीकार किया है।

थाना प्रभारी जीआरपी जितेंद्र सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक अमित कुमार बालियान, उप निरीक्षक सुजीत सिंह चंदेल और पुलिस टीम के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे।

टीम मथुरा जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या आठ पर बने पार्क के समीप पहुंची। इस बीच उन्हें ट्रेनों से सामान चोरी करने वाले शातिर चोर के बारे में सूचना मिली। पुलिस ने तुरंत वहां खड़े युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया

सवा दो लाख के मोबाइल, लेपटॉप, आईपेड बरामद

कि युवक सुमित निवासी माहेश्वरी थाना गोविंदनगर से एक ट्रॉली बैग बरामद हुआ। बैग में एक लेपटॉप, दो मोबाइल, एक आईपेड (एप्पल कंपनी का), एक ट्रॉली बैग जिसमें पहनने के कपड़े आदि बरामद किया है।

बरामद सामान के बारे में शातिर अभियुक्त ने बताया कि एक मोबाइल करीब दो माह पूर्व उसने मथुरा जंक्शन पर ट्रेन से चोरी किया था। इसके साथ ट्रॉली बैग के बारे में बताया कि उसने आज ही चोरी किया है। इससे पहले एक पिट्ठू बैग चोरी किया था जिसमें ये सारा सामान बरामद हुआ था।

गंदगी में बन रहा था पनीर, डेयरी बंद, नौ नमूने जांच को भेजे

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी डेरी से पनीर का नमूना लेते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। जिले में लोगों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार इसके खिलाफ अभियान चला रहा है। मंगलवार को बाजना क्षेत्र में डेयरियों पर छापेमारी कर सख्त कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने पारसौली रोड और मुड़लिया रोड स्थित कई डेयरियों का निरीक्षण किया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, मोहर सिंह कुशवाह, दलवीर सिंह और भरत सिंह ने कार्रवाई के दौरान राधे मिल्क प्रोडक्ट्स से पनीर और मिश्रित दूध के नमूने लिए गए।

पप्पू डेयरी से पनीर के दो नमूने, सिरसा मिल्क प्रोडक्ट्स से पनीर और मिश्रित दूध के नमूने तथा सोनू डेयरी से पनीर, मिश्रित दूध और क्रीम के नमूने एकत्र किए गए। कुल मिलाकर टीम ने नौ नमूने संग्रहित किए। निरीक्षण के दौरान सोनू डेयरी पर गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। यहां पनीर अत्यंत गंदी और अस्वच्छ परिस्थितियों में बनाया जा रहा था, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा हो सकता था। अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित डेयरियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई: नगर निगम ने सुनीं जनता की समस्याएं

यूनिक समय, मथुरा। जन शिकायतों के प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार की पहल पर चल रहे "संभव" (संतुष्टि एवं समृद्धि) कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नगर निगम में जनसुनवाई भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जग प्रवेश ने स्वयं शिकायतें सुनीं। वहीं वृंदावन जोनल कार्यालय में अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक और सिटी जोन में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने जनसुनवाई की। भूतेश्वर जोन में नौ शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 4 अतिक्रमण, 1 सफाई, 1 लाइट, 2 राजस्व और 1 रैंप निर्माण से जुड़ी थीं। इनमें से एक लाइट की शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं वृंदावन जोन में 5 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 1 निर्माण, 1 संपत्ति और 3

संभव" संतुष्टि एवं समृद्धि के अंतर्गत जनसुनवाई करते नगर आयुक्त जग प्रवेश एवं नगर निगम के अधिकारी।

जलकल विभाग से संबंधित थीं। सिटी जोन की स्थिति यहां कुल 4 शिकायतें मिलीं, जिनमें 1 सफाई और 3 सड़क निर्माण से जुड़ी थीं। नगर आयुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त राकेश

नगर आयुक्त ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

भूतेश्वर, वृंदावन और सिटी जोन में कुल 18 शिकायतें दर्ज

अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के आदेश

कुमार त्यागी, कल्पना सिंह चौहान, अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता अमरेंद्र गौतम, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र यादव, सहायक अभियंता (जल) हेमेन्द्र गौतम और नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निर्माण कार्यों में लापरवाही पर ठेकेदारों को सख्त चेतावनी

लापरवाही पर एक साल तक डिबार करने के निर्देश : नगर आयुक्त

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने को संबंधितों को बैठक में निर्देश देते नगर आयुक्त जग प्रवेश।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृंदावन में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई, जिसमें मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता, निर्माण लिपिक और विभिन्न ठेकेदारों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्माण कार्यों में आ रही देरी, निविदाओं में कम भागीदारी और कार्यों की गुणवत्ता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना था।

बैठक में यह बात सामने आई कि कई निर्माण कार्यों की निविदाओं में ठेकेदारों की कम रुचि के कारण एक ही कार्य के लिए 5-6 बार तक पुनः निविदा आमंत्रित करनी पड़ रही है। इस पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि जो ठेकेदार अनुबंध करने में देरी करते हैं या कार्य समय पर शुरू नहीं करते, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसे ठेकेदारों को एक वर्ष के लिए डिबार (प्रतिबंधित) करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

इसके अलावा, कार्यस्थल पर निकलने वाली पुरानी इंटरलॉकिंग सामग्री को नगर निगम में जमा कराना अनिवार्य किया गया है। बिना संबंधित अवर अभियंता को सूचित किए किसी भी कार्य को शुरू करने पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए गए। निर्माण कार्यों के दौरान शिलान्यास और शिलापट्ट भी नियमानुसार लगाए जाने की बात कही गई। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय-समय पर निर्माण स्थलों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी कार्य गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शहर के विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाएगी।

बाइक चोरों का दुस्साहस

वृंदावन से दो बाइकों को उड़ा ले गए चोर

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली अंतर्गत बांके बिहारी पुलिस चौकी क्षेत्र के अठखंभा से एक चोर बाइक को चुराकर ले उड़ा। ग्राम कूपगढ़ (मांट) निवासी कन्हैया पुत्र भगवान दास अपने गांव कूपगढ़ से प्रतिदिन की तरह बाइक से मजदूरी करने वृंदावन आया था। इसी दौरान कन्हैया ने हीरो डिलेक्स बाइक को अठखंभा क्षेत्र में खड़ी कर पास में ही मजदूरी करने चला गया। जहां से अज्ञात चोर मौका देखकर दिन-दहाड़े बाइक को चोरी करके फरार हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक नहीं मिली तो आस-पास के मकानों में लगे में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए गए। जिसमें अज्ञात चोर बाइक को ले जाते हुए दिखाई दे रहा है।

पीड़ित ने बताया कि चोर सीसीटीवी कैमरे में बाइक ले जाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। पीड़ित युवक ने बांके बिहारी पुलिस चौकी में बाइक चोरी होने के संदर्भ में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग की है। दूसरी ओर रंगजी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत गोपीनाथ बाग निवासी किशोर गोस्वामी पुत्र केशव गोस्वामी की अपाचे बाइक अज्ञात चोरों ने पार कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित ने अपनी मोटरसाइकिल शीतला माता मंदिर के सामने खड़ी की थी। तभी हेलमेट पहने एक चोर वहां पहुंचा और बड़ी सफाई से बाइक लेकर रफूचक्कर हो गया। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर आरोपी बाइक को राधा रमण मंदिर की ओर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पीड़ित बाइक स्वामी ने इस संबंध में कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश में जुट गई है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर कार सवारों ने एक व्यक्ति पर किया हमला

यूनिक समय,सुरीर, मथुरा। थाना नौहझील क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर कार सवारों द्वारा एक व्यक्ति पर हमले का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना तीन मई की देर शाम की बताई जा रही है, जबकि मुकदमा चार मई की शाम को दर्ज किया गया है। पीड़ित पंकज शर्मा, निवासी पालीखेड़ा हाईवे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपनी कार से आगरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात कार सवारों ने उनका पीछा किया और कई बार उनकी कार को रोकने का प्रयास भी किया। आरोप है कि हमलावरों ने ओवरटेक कर रास्ता रोकने की कोशिश की और फायरिंग भी की। टोल प्लाजा की सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध कार की गतिविधियां कैद हुई हैं। करीब 63.500 किलोमीटर के पास आरोपियों ने फिर से हमला करने की कोशिश की। इस दौरान चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कच्चे रास्ते से गाड़ी निकालकर अपनी जान बचाई। जांच में सामने आया है कि मामला लूट का नहीं, बल्कि पैसों के लेन-देन से जुड़ा विवाद हो सकता है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

केडी विश्वविद्यालय में आईपीआर पर जागरूकता कार्यशाला

भावी चिकित्सकों को दी बौद्धिक सम्पदा अधिकार की जानकारी

मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के बाद विश्वविद्यालय के पदाधिकारी तथा अतिथि वक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय और ट्रायन लॉ पार्टनर्स के संयुक्त प्रयासों से सोमवार की शाम विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य केडी मेडिकल कॉलेज तथा केडी डेंटल कॉलेज के भावी चिकित्सकों को नवाचार और आविष्कार के संदर्भ में बौद्धिक सम्पदा (आईपी) के महत्व से रूबरू कराना था। कार्यशाला में ट्रायन लॉ पार्टनर्स के विशेषज्ञों भारत शर्मा और सिद्धांत एम. शर्मा ने प्रतिभागी परास्नातक छात्र-छात्राओं को बौद्धिक सम्पदा अधिकारों की खूबियों से अवगत कराया।

कार्यशाला का शुभारम्भ कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, प्रति-कुलपति डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, उप-प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, केडी डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर तथा मुख्य वक्ता भारत शर्मा और सिद्धांत एम. शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथि वक्ताओं का स्वागत कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी तथा प्रति-कुलपति डॉ. गौरव सिंह ने किया। अतिथि वक्ता भारत शर्मा ने प्रतिभागियों को बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के महत्व और उनके संरक्षण की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बौद्धिक सम्पदा अधिकार ऐसे कानूनी अधिकार हैं, जो किसी व्यक्ति या संस्था को उनकी बौद्धिक रचनाओं जैसे कि आविष्कार, साहित्यिक और कलात्मक कार्य, डिजाइन, प्रतीक, नाम और छवियों पर विशेष सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके प्रमुख प्रकारों में पेटेंट, जो आविष्कारों की रक्षा करता है। कॉपीराइट साहित्य, संगीत, फिल्म और सॉफ्टवेयर जैसे कार्यों को संरक्षित करता है। ट्रेडमार्क ब्रांड नाम, लोगों या प्रतीक की सुरक्षा करता है सिद्धांत एम. शर्मा ने कहा कि बौद्धिक सम्पदा कानून का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकार की बौद्धिक वस्तुओं के निर्माण को प्रोत्साहित करना है। श्री शर्मा ने भावी चिकित्सकों को पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और नवाचार के कानूनी पहलुओं की जानकारी दी ताकि वे अपने रचनात्मक कार्यों को संरक्षित कर सकें। कार्यशाला में एक संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित हुआ जिसमें छात्र-छात्राओं ने पेटेंट और अनुसंधान संरक्षण से संबंधित शंकाओं पर अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने अतिथि वक्ताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए चिकित्सा शिक्षा और नैदानिक अभ्यास में नवाचार, अनुसंधान की सत्यनिष्ठा और बौद्धिक सम्पदा संरक्षण के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने अतिथि वक्ताओं का आभार मानते हुए कहा कि बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) पर आयोजित यह कार्यशाला भावी चिकित्सकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यशाला विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा शिक्षा को मुख्यधारा के चिकित्सा प्रशिक्षण में एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला में पीजी छात्र-छात्राओं के साथ ही महिला एवं प्रसूति विभागाध्यक्ष डॉ. बीपी पांडेय, मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पांडेय आदि उपस्थित रहे।

अभिभावकों को रिजल्ट के बाद एडमिशन की चिंता

रिजल्ट के बाद कॉलेज चयन को लेकर बढ़ी भागदौड़

यूनिक समय, मथुरा। सीबीएसई, यूपी बोर्ड, आईसीएसई सहित विभिन्न बोर्डों से इंटरमीडिएट पास करने वाले छात्र इन दिनों अपने आगे की पढ़ाई को लेकर सोच में हैं। परीक्षा परिणाम आने के बाद अब सबसे जरूरी काम अच्छे कॉलेज में एडमिशन लेना है। इसी को लेकर छात्र और उनके अभिभावक लगातार कॉलेजों की जानकारी ले रहे हैं। शहर के कई कॉलेजों में इन दिनों छात्रों की हलचल बढ़ गई है। कोई एडमिशन फॉर्म ले रहा है तो कोई कटऑफ और विषयों की जानकारी कर रहा है। कई छात्र एक से ज्यादा कॉलेजों में आवेदन कर रहे हैं, ताकि उन्हें कहीं न कहीं दाखिला मिल सके। सभी की कोशिश है कि उन्हें अपनी पसंद का कॉलेज और विषय मिल जाए।

छात्रों का कहना है कि अच्छे कॉलेजों में सीटें सीमित होती हैं, इसलिए मेरिट के आधार पर ही एडमिशन मिलता है। ऐसे में हर छात्र अपने अंकों के अनुसार सही विकल्प खोजने में लगा है। कुछ छात्र अलग-अलग विषयों के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं, ताकि वे अपने लिए बेहतर रास्ता चुन सकें। अभिभावक भी बच्चों के साथ कॉलेज जा रहे हैं और पूरी जानकारी लेकर ही निर्णय लेना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले और आगे का रास्ता सही बने।

इसके लिए वे अलग-अलग कॉलेजों की सुविधाओं, फीस और पढ़ाई के माहौल के बारे में चक्कर लगा रहे हैं। इंटर पास करने वाले छात्र इस समय अपने भविष्य की नई शुरुआत के लिए तैयारी में जुटे हैं। हर छात्र एक अच्छे अवसर की तलाश में है और सही दिशा में कदम बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 13 मई को गो ग्राम परखम में करेंगे लोकार्पण

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 13 मई को दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र गऊ ग्राम परखम फरह में दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के तत्वावधान में संचालित विभिन्न प्रकल्पों का लोकार्पण करेंगे। गऊग्राम परखम स्थित अशोक सिंघल सभागार सप्त ऋषि कुटीर में आयोजित बैठक में दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के मंत्री हरिशंकर शर्मा ने बताया है कि 13 मई को हवन, गृह प्रवेश एवं भूमि पूजन कार्यक्रम प्रातः 10:30 से गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र पर होगा। लोकार्पण कार्यक्रम दोपहर एक बजे से नवधा सभागार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा किया जायेगा। इस अवसर पर निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानन्द गिरि महाराज और अंतराष्ट्रीय कथा मर्मज्ञ संत विजय कौशल महाराज का आशीर्वचन प्राप्त होगा। उप मुख्यमंत्री छात्राओं के हॉस्टल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सालय, स्टूडियो का लोकार्पण, हर्बल गार्डन का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर कन्वेशन सेंटर और स्टाफ क्वार्टर के भूमि पूजन कर और बुनकर केंद्र में स्थापित नवीन मशीन के पूजन कार्यक्रम भी होगा। बैठक में अखिल भारतीय गौ सेवा गतिविधि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संयोजक अजीत महापात्र, गौशाला समिति के सदस्य डॉ. अनुराग शर्मा, अकादमिक समिति के उपाध्यक्ष डॉ. केएमएल पाठक, मनोज एवं चंद्रशेखर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जाग्रति ब्रज मंडल का पुनर्गठन

साधना चतुर्वेदी सर्वसम्मति से बनी अध्यक्ष

जाग्रति ब्रज मंडल की नई अध्यक्ष साधना चतुर्वेदी के साथ संस्थापक नरेन्द्र एम. चतुर्वेदी व महेश चन्द खंडेलवाल आदि।

यूनिक समय, मथुरा। छत्ता बाजार स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मन्दिर में जाग्रति ब्रज मंडल की हुई बैठक में सर्वसम्मति से साधना चतुर्वेदी को संस्था का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। किरन चतुर्वेदी तीसरी बार मुख्य महामंत्री बनीं हैं। रंजना चतुर्वेदी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है तथा अगली बैठक में संस्था के शेष रिक्त पदों पर जल्द ही नियुक्ति की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थापक नरेन्द्र एम. चतुर्वेदी व महेश चन्द खंडेलवाल ने की। संचालन गिरिजा चतुर्वेदी ने किया। कवयित्री रेनू उपाध्याय व विनीता चतुर्वेदी ने आभार जताया।

इस मौके पर नवनियुक्त अध्यक्ष मुख्य महासचिव और कोषाध्यक्ष का महिलाओं ने दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस मौके पर सीता चतुर्वेदी बैंकर, रचना अग्रवाल, समता गुप्ता, गुड़िया वर्मा, बिरमा, रंजू चतुर्वेदी, विमलेश गौतम, मंजू शर्मा, ममता सैनी, पुष्पा वर्मा, नीलम नीरू, पिंकी शर्मा तथा इंद्रा आदि मौजूद थी।

केला खाने से शरीर को होते हैं कई अद्भुत फायदे

जानकर हैरान हो जाएंगे आप!

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए केला किसी रामबाण से कम नहीं है। यह फल सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है और लगभग लोग इसे खाना पसंद करते हैं। इसमें कैल्शियम, सोडियम, फाइबर, विटामिन सी, आयरन जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल और फैट फ्री फल माना जाता है। यह फल न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत, त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं केला खाने से क्या-क्या फायदे होते हैं।

एनर्जी से भरपूर: अगर आप रोजाना केले का सेवन करेंगे तो एनर्जी से भरपूर रहेंगे। केले में ग्लूकोज, सुक्रोज और फ्रुक्टोज पाएं जाते हैं, जो शरीर को फैट और कोलेस्ट्रॉल फ्री रखकर एनर्जी से भर देता है।

वजन घटाने में मददगार: अगर आप बढ़ते वजन से परेशान है और उसे कम करना चाहते हैं तो केला बहुत फायदेमंद हो सकता है। यह फाइबर का अच्छा सोर्स है और स्टार्च से भी भरपूर है। नाश्ते में केला खाने से काफी देर तक भूख नहीं लगती है और इससे वजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

डायबिटीज: डायबिटीज के मरीजों के लिए केले का सेवन फायदेमंद होता है। यह फाइबर, विटामिन, स्टार्च, फाइटोकेमिकल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई बायोएक्टिव यौगिकों का मिश्रण है। जो टाइप 2 डायबिटीज से लड़ने में मददगार हो सकता है।

स्ट्रेस: अगर आप तनाव की समस्या से परेशान हैं तो केले का सेवन कर सकते हैं। इसमें विटामिन बी और पोटेशियम पाया जाता है। जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर तनाव को कम कर सकता है।

कब्ज: केले में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। अगर आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो अपनी डाइट में केला को शामिल करके इससे छुटकारा पा सकते हैं।

इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मददगार केले में विटामिन सी पाया जाता है, जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मददगार माना जाता है।

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

हाथ को धोने से दूर रहती हैं बीमारियां : सीएमओ

यूनिक समय,मथुरा। जनपद में मंगलवार को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस (वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे) बड़े ही जागरूकता अभियान के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा बल्लभ के नेतृत्व में जिलेभर में विभिन्न जागरूकता कार्य क्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य लोगों को हाथों की स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि हाथों पर मौजूद गंदगी सामान्य आंखों से दिखाई नहीं देती, लेकिन यही गंदगी कई गंभीर बीमारियों का कारण बनती है। बिना हाथ धोए भोजन या पेय पदार्थों का सेवन करने से यह बैक्टीरिया और वायरस शरीर में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे डायरिया, स्वाइन फ्लू और अन्य संक्रामक रोग फैल सकते हैं। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोना एक आसान लेकिन प्रभावी सुरक्षा उपाय है, जो कई बीमारियों से बचाव करता है। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि कोरोना महामारी ने हाथ धोने की आदत को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। यह एक प्रकार का प्राकृतिक सुरक्षा कवच है, जो संक्रमण के खतरे को काफी हद तक कम करता है।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झींगुरपुरा के अंतर्गत पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय श्रद्धानंद में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां पीएसआई इंडिया और जेएसआई टीम द्वारा बच्चों को हाथ धोने की सही विधि, उसके चरणों और साफ-सफाई के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आशा कार्यकर्ता वीना शर्मा ने बच्चों को डेमो के माध्यम से हाथ धोने की प्रक्रिया सिखाई।

प्रधानाचार्या अनीता मुद्गल ने कहा कि स्वच्छता की आदतें बचपन से विकसित की जानी चाहिए, जिससे भविष्य में कई बीमारियों से बचाव संभव है। वहीं महिला आरोग्य समिति की सदस्यों ने भी लोगों को जागरूक किया।

पीएसआई के चोब सिंह और अजय कुमार ने बताया कि अभी भी कई लोग हाथ धोने के सही तरीके से अनजान हैं, जिससे वे गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। जेएसआई की राजकुमारी ने बच्चों को रोचक तरीके से हाथ धोने का प्रदर्शन कराया, जिससे बच्चे काफी उत्साहित नजर आए।

सही आदतें और मजबूत रणनीति से आप बन सकते हैं लाइफ के टॉपर

यूनिक समय, नई दिल्ली। लाइफ के हर एग्जाम में सफल होने के लिए एक खास स्ट्रेटेजी बनाना जरूरी होता है। अक्सर हम देखते है कि स्कूल में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स ही अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी टॉप करते हैं। टॉपर बनने के लिए बस कुछ आदतों और लाइफस्टाइल को बदलना होता है। किसी भी फील्ड में कामियाब होने के लिए हमे अपने दिमाग, मन और दिल को मजबुत करना पढ़ता है। यहीं टॉपर्स की बात करें तो उसके लिए भी हमे अपने डेली शेड्यूल और पैशन को ध्यान में रखना जरूरी होता है। आज हम आपको ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप भी टॉपर्स में शामिल हो सकते हैं।

अपने दिमाग को शांत रखें

किसी नई चीज या दिन की शुरुआत करने के लिए दिमाग का शांत होना बहुत जरूरी होता है। अपने दिमाग को साफ करने, तनाव और चिंता कम करने और अपने ओवरआल मूड में सुधार करने में मदद मिल सकती है दिमाग को शांत रखना बेहद जरूरी है। यहां तक कि सिर्फ पांच मिनट की सांस लेने से आप कैसा महसूस करते हैं, इसमें बड़ा अंतर आ सकता है।

सही शेड्यूल बनाएं

किसी सफलता को पाने के लिए एक सही टाइम टेबल बनाएं। कितनी देर पढ़ाई करनी है, कितनी देर रेस्ट करना है, कितनी देर कौन से सब्जेक्ट को देना है। ये सब तय करने के बाद वे दिन की शुरुआत करें, जिससे समय बिलकुल भी बर्बाद न हो सके। इससे हर दिन प्लानिंग के हिसाब से टारगेट भी पूरा होता है।

स्ट्रेचिंग/योग करना जरूरी

अच्छी लाइफस्टाइल के लिए सुबह के समय स्ट्रेचिंग या योगा करना आपके शरीर के लिए सबसे बेहतर होता है। स्ट्रेचिंग आपकी मांसपेशियों में तनाव और अकड़न को दूर करने में आपकी मदद कर सकती है, जबकि योगा आपको संतुलन और शक्ति में सुधार करने में मदद कर सकता है।

सुबह का नाश्ता

हल्दी रहने के लिए सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी होता है। सुबह खाने से आपको अपने दिन की सही शुरुआत करने में मदद मिल सकती है। अपने भोजन में जल्दबाजी करने या चलते-फिरते खाने के बजाय, अपने भोजन का स्वाद लेने के लिए कुछ मिनट निकालें और खाने के अनुभव पर ध्यान केंद्रित करें।

इरादा सटीक रखना

अपने दिन के लिए एक इरादा निर्धारित करना आपके दिन को दिमाग से शुरू करने का एक शक्तिशाली तरीका है।

एक इरादा एक सरल कथन है जो इस बात का स्वर सेट करता है कि आप दुनिया में कैसे दिखना चाहते हैं। एक इरादा निर्धारित करने से आपको ध्यान केंद्रित रहने में मदद मिल सकती है।

रात को जल्दी खाना खाने से शरीर को मिलते हैं कई फायदे

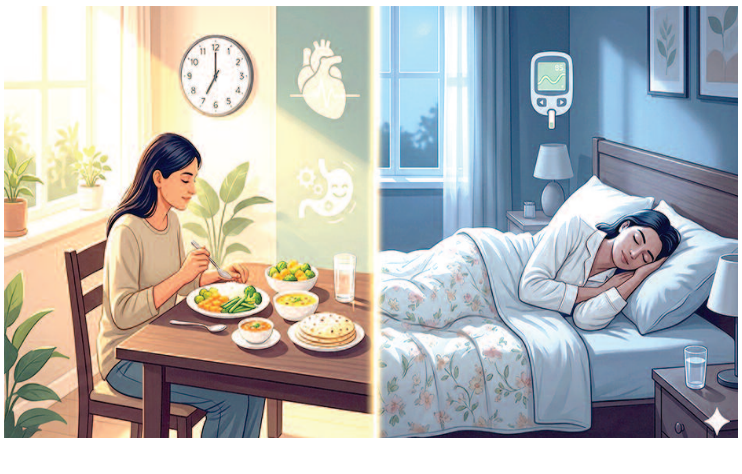

यूनिक समय, नई दिल्ली। व्यस्ततम लाइफस्टाइल के कारण लोग अक्सर देर रात को खाना खाते हैं, इस वजह से वो कब्ज समेत कई गंभीर बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। डॉक्टर अक्सर रात में सोने से दो-तीन घंटे पहले खाना खाने की सलाह देते हैं। स्वस्थ रहना चाहते हैं तो आपको सुबह का नाश्ता, लंच, डिनर समय पर करना चाहिए। अगर आप रोजाना जल्दी खाना खाते हैं तो इससे कई बड़े फायदे हो सकते हैं।

अच्छी नींद: रात में जल्द खाना खाने से शरीर में पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इससे अच्छी नींद आती है। डॉक्टर अक्सर रात में सोने से दो-तीन घंटे पहले खाना खाने की सलाह देते हैं। इससे हमारा पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है और शरीर के अंगों को भी अन्न पचाने में कसरत नहीं करनी पड़ती।

वजन कंट्रोल: रात में खाना जल्दी खाने से न सिर्फ आप खुद को फिट महसूस करेंगे, बल्कि इससे आपको वजन घटाने में भी मदद मिलेगी। कोशिश यह करें कि हल्का और फाइबर युक्त भोजन करें, इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है और भूख भी कंट्रोल होती है और वजन भी।

कब्ज की दिक्कत: बदलती लाइफस्टाइल के कारण आजकल कब्ज की समस्या आम है। इससे शौच करने में कठिनाई होती है। रात का खाना जल्दी खाने से शरीर को भोजन पचाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इससे आप कब्ज की समस्या से राहत पा सकते हैं।

दिल के लिए फायदेमंद: जो लोग देर से खाना खाते हैं उनमें दिल की बीमारियों का खतरा अधिक होता है। अगर आप रात का खाना जल्दी खाते हैं और समय पर सोते हैं तो इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है। रात के खाने में हमेशा हल्का खाना खाएं और मसालेदार खाना खाने से बचें।

ब्लड शुगर कंट्रोल: रात में जल्दी भोजन करने से भी ब्लड शुगर को नियंत्रित किया जा सकता है।

सुविचार

हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें, यही मायने रखता है।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	07:51-10:14 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	03:53-06:45 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:40 AM	चन्द्रोदय	11:13 PM
सूर्यास्त		6:51 PM	चंद्रास्त	09:32 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	04:03-03:53
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	12:15 PM: 01:54 PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

हथेली में छिपे सात तीर्थों का अद्भुत रहस्य

तर्पण करते समय इन स्थानों का ध्यान रखना होता है जरूरी

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में तर्पण, श्राद्ध और पूजा-पाठ जैसे अनुष्ठानों का विशेष महत्व है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इन विधियों में हमारी हथेली भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शास्त्रों के अनुसार हर व्यक्ति के हाथ में सात प्रमुख तीर्थ स्थान होते हैं, जिनका उपयोग देव, पितृ और ऋषियों को तर्पण देने में किया जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हथेली के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न तीर्थ स्थित होते हैं। इनमें देवतीर्थ, पितृतीर्थ, प्रजापतितीर्थ, ब्रह्मतीर्थ, अग्नितीर्थ, सोमतीर्थ और ऋषितीर्थ शामिल हैं। यह केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा के केंद्र माने जाते हैं, जिनके माध्यम से तर्पण की प्रक्रिया पूर्ण होती है। देवतीर्थ हथेली की उंगलियों के अग्र भाग में स्थित होता है, जिसका उपयोग देवताओं को जल अर्पित करने में किया जाता है। वहीं पितृतीर्थ तर्जनी के मूल भाग में होता है और इसका प्रयोग पितरों के तर्पण के समय किया जाता है। इसी प्रकार प्रजापतितीर्थ छोटी उंगली के आधार पर स्थित होता है, जिसे ऋषियों को तर्पण देने के लिए उपयोग किया जाता है।

इसके अलावा अंगूठे के प्रारंभिक भाग को ब्रह्मतीर्थ कहा जाता है, जो सृष्टि के मूल का प्रतीक है। दाहिने हाथ की हथेली के मध्य भाग में अग्नितीर्थ होता है, जबकि बाएं हाथ की हथेली के केंद्र में सोमतीर्थ माना गया है। उंगलियों के पोरों और जोड़ वाले हिस्सों को ऋषितीर्थ कहा जाता है, जो ज्ञान और तपस्या का प्रतीक हैं। तर्पण की प्रक्रिया में इन तीर्थों का सही उपयोग बेहद जरूरी माना गया है। अमावस्या, पूर्णिमा और विशेष पर्वों पर स्नान के बाद जब तर्पण किया जाता है, तब इन स्थानों से जल अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि इससे व्यक्ति अपने देव ऋण, पितृ ऋण और ऋषि ऋण से मुक्त हो सकता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक विशेषज्ञों के अनुसार, तर्पण केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम है। यह हमें अपने पूर्वजों, देवताओं और ऋषियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर देता है। ऐसे में यदि तर्पण सही विधि और सही स्थान से किया जाए, तो इसका फल और भी अधिक प्रभावी होता है।

कुल मिलाकर, हमारी हथेली केवल शरीर का एक हिस्सा नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मानचित्र है, जिसमें जीवन और धर्म से जुड़े कई रहस्य छिपे हुए हैं। इन तीर्थों की सही जानकारी और उपयोग से व्यक्ति न केवल धार्मिक कर्तव्यों का पालन कर सकता है, बल्कि आध्यात्मिक शांति भी प्राप्त कर सकता है।

हवन में स्वाहा बोलने से आहुति पहुंचती हैं देवताओं तक

यूनिक समय, मथुरा। हवन या यज्ञ के दौरान जब भी आहुति दी जाती है, तो अंत में "स्वाहा" शब्द जरूर बोला जाता है। यह केवल एक परंपरा या शब्द नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरा आध्यात्मिक और पौराणिक महत्व जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि "स्वाहा" के बिना दी गई आहुति देवताओं तक नहीं पहुंचती और यज्ञ अधूरा माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, सृष्टि के प्रारंभिक काल में ऋषि-मुनि यज्ञ करते थे और अग्नि में घी व अन्न की आहुति देते थे, लेकिन वह देवताओं तक नहीं पहुंच पाती थी। इससे देवता कमजोर होने लगे और उनकी शक्तियां घटने लगीं। जब यह संकट बढ़ा, तो देवताओं ने त्रिदेव से सहायता मांगी। तब यह रहस्य सामने आया कि अग्नि में आहुति देने के लिए एक

माध्यम की आवश्यकता है, जो उसे देवताओं तक पहुंचा सके। इसी समस्या के समाधान के लिए देवी स्वाहा का प्रकट होना बताया जाता है। उनका संबंध अग्निदेव से जोड़ा गया है और उन्हें वह शक्ति माना गया है, जो हवन की आहुति को देवताओं तक पहुंचाती हैं। इसलिए जब भी कोई आहुति दी जाती है, तो "स्वाहा" उच्चारण के साथ उसे देवी को समर्पित किया जाता है, ताकि वह देवताओं तक पहुंचे। धार्मिक दृष्टि से "स्वाहा" का अर्थ होता है-समर्पण या अर्पण करना। यह शब्द इस बात का संकेत देता है कि जो भी अर्पित किया जा रहा है, वह पूरी श्रद्धा और भावना के साथ देवताओं को समर्पित है। आज भी हवन और यज्ञ में "स्वाहा" बोलने की परंपरा इसलिए निभाई जाती है, क्योंकि यह केवल एक शब्द नहीं बल्कि आस्था, समर्पण और ऊर्जा के प्रवाह का प्रतीक है। यह मान्यता लोगों को अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ जोड़ती है। इस प्रकार "स्वाहा" केवल एक उच्चारण नहीं, बल्कि वह माध्यम है जो आहुति को पूर्णता प्रदान करता है और यज्ञ को सफल बनाता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन ग्रहों की स्थिति के अनुसार कई राशियों के लिए नए अवसर और सकारात्मक बदलाव लेकर आया है। कुछ राशियों को आर्थिक लाभ मिलेगा तो कुछ को सावधानी बरतने की जरूरत है।

मेष राशि: कल आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है और परिवार के साथ अच्छा समय बितेगा।

वृष राशि: रुके हुए काम पूरे होंगे और आर्थिक फैसलों के अच्छे परिणाम मिलेंगे। शाम तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन राशि: व्यापार में लाभ के योग हैं। नए संपर्क बनेंगे और सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कर्क राशि: प्रभावशाली लोगों का सहयोग मिलेगा। हालांकि परिवार में हल्का विवाद हो सकता है, इसलिए संयम रखें।

सिंह राशि: दिन मिला-जुला रहेगा। बड़े फैसले लेने से बचें और किसी पुराने विवाद से दूरी बनाए रखें।

कन्या राशि: कल का दिन फायदेमंद रहेगा। अटका हुआ धन मिल सकता है और सेहत भी बेहतर रहेगी।

तुला राशि: काम में देरी और थकान महसूस हो सकती है। समय प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी है।

वृश्चिक राशि: दिन बेहतरीन रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा और व्यापार में लाभ के योग बनेंगे।

धनु राशि: कल व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन मेहनत का फल जरूर मिलेगा। करियर में सुधार के संकेत हैं।

मकर राशि: अटके हुए काम पूरे होंगे। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा और प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि: किस्मत साथ देगी। व्यक्तिगत समस्याएं हल होंगी और रिश्तों में मधुरता आएगी।

मीन राशि: धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में समय बितेगा। मानसिक शांति मिलेगी और पारिवारिक सहयोग बना रहेगा।

अगर घर में खर्च बढ़ें, सेविंग घटे तो समझिए पैसा आने वाला है

यूनिक समय, मथुरा। कई बार जिंदगी में ऐसा दौर आता है जब अचानक खर्च बढ़ने लगते हैं और बचत तेजी से खत्म होने लगती है। ऐसे समय में अधिकांश लोग घबरा जाते हैं और इसे आर्थिक संकट का संकेत मान लेते हैं। लेकिन ज्योतिषीय नजरिए से देखें तो हर गिरावट नुकसान का संकेत नहीं होती, बल्कि कई बार यह आने वाले बड़े लाभ की भूमिका भी होती है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह-नक्षत्रों की चाल हमारे जीवन की आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डालती है। खासतौर पर गुरु, शुक्र और चंद्रमा जैसे ग्रह जब अपनी स्थिति बदलते हैं तो

व्यक्ति की आय, खर्च और बचत पर सीधा असर पड़ता है। कई बार यह बदलाव अस्थायी असंतुलन पैदा करता है, जिससे खर्च बढ़ जाते हैं और सेविंग कम होने लगती है। हालांकि, यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहती और आगे चलकर सकारात्मक परिणाम देती है।

ऐसे समय में कुछ खास संकेत दिखाई देते हैं, जो बताते हैं कि आर्थिक स्थिति जल्द ही बेहतर होने वाली है। जैसे अचानक बिना कारण खर्च बढ़ना यह दर्शाता है कि पुरानी आर्थिक ऊर्जा खत्म हो रही है और नई ऊर्जा के लिए रास्ता बन रहा है। इसे एक तरह से "नई शुरुआत की तैयारी" भी कहा जा सकता है।

इसी तरह अगर लंबे समय से रुका हुआ पैसा अचानक वापस मिलने लगे, तो यह बेहद शुभ संकेत माना जाता है। यह दर्शाता है कि आपके जीवन में धन का प्रवाह फिर से सक्रिय हो रहा है। इसके अलावा नौकरी या बिजनेस से जुड़े नए अवसर दिखना भी इस बात का संकेत है कि आपके ग्रह अब अनुकूल हो रहे हैं और आगे बढ़ने का समय आ गया है।

कई लोगों को ऐसे समय में सपनों में पानी, नदी या सोना दिखाई देना भी एक संकेत माना जाता है। ज्योतिष में इन्हें समृद्धि और धन लाभ के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। वहीं, अगर आर्थिक दबाव के बावजूद मन में अचानक आत्मविश्वास और सकारात्मकता बढ़ने लगे, तो यह इस बात का संकेत है कि परिस्थितियां जल्द ही बदलने वाली हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूरा दौर एक तरह का "ऊर्जा शुद्धिकरण" होता है। पुराने कर्मों और नकारात्मक प्रभावों का अंत होता है और नई संभावनाओं के द्वार खुलते हैं। ऐसे समय में घबराने के बजाय धैर्य रखना और सही निर्णय लेना बेहद जरूरी होता है।

इसलिए अगर आपके जीवन में भी खर्च बढ़ रहे हैं और सेविंग कम हो रही है, तो इसे सिर्फ परेशानी न समझें। हो सकता है यह आने वाले बेहतर समय का संकेत हो, जब आपकी आर्थिक स्थिति पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो जाए।

सम्पादकीय

रसायनों से दूषित पानी नहरों में बना जीवन का दुशमन

नदियों और नहरों का पानी आज जीवनदायी होने के बजाय मौत का कारण बनता जा रहा है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं बल्कि एक गंभीर जनस्वास्थ्य आपदा बन चुका है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला रासायनिक कचरा जब सीधे जल स्त्रोतों में मिल जाता है तो वह धीरे–धीरे पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को विषाक्त बना देता है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में यह समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है। चिकित्सकों के अनुसार दूषित पानी के लगातार सेवन से शरीर में भारी धातुएं और कैंसरकारी तत्व जमा होने लगते हैं। इसका सबसे बड़ा असर गरीब और ग्रामीण आबादी पर पड़ रहा है, जो नहरों और कुओं के पानी पर निर्भर है। कई क्षेत्रों में कैंसर, किडनी और लीवर जैसी गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ा रही है क्योंकि इलाज पर होने वाला खर्च परिवारों को तोड़ देता है। सरकारी स्तर पर औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण के लिए सख्त नियम और अपशिष्ट शोधन संयंत्र की अनिवार्यता तय की गई है, लेकिन उनका पालन अक्सर कागजों तक ही सीमित रह जाता है। कई स्थानों पर उद्योग बिना ट्रीटमेंट के ही गंदा पानी नदियों में छोड़ देते हैं। निगरानी व्यवस्था की कमजोरी और प्रशासनिक उदासीनता इस समस्या को और बढ़ा देती है। जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन लगातार इस मुद्दे को उठाते रहे हैं, फिर भी जमीनी बदलाव धीमा है। इस संकट से निपटने के लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका कठोर क्रियान्वयन जरूरी है। हर औद्योगिक इकाई में आधुनिक जल शोधन प्रणाली अनिवार्य की जानी चाहिए और उसका नियमित ऑडिट होना चाहिए। नदियों और नहरों के पानी की लगातार गुणवत्ता जांच भी आवश्यक है ताकि समय रहते प्रदूषण रोका जा सके। इसके साथ ही जनता को जागरूक करना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि साफ पानी केवल सरकार की नहीं बल्कि समाज की साझा जिम्मेदारी है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियां गंभीर जल संकट और असाध्य बीमारियों से जूझने को मजबूर होंगी। साथ ही औद्योगिक नीति में पर्यावरणीय अनुपालन को प्रोत्साहन से जोड़ना होगा और उल्लंघन पर कठोर दंड सुनिश्चित करना होगा। जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाकर ही इस संकट को रोका जा सकता है। नदियों के पुनर्जीवन के बिना विकास अधूरा रहेगा और जीवन असुरक्षित। इसलिए आज आवश्यकता है कि उद्योग, सरकार और समाज मिलकर जिम्मेदारी निभाएं। तभी स्वच्छ जल और स्वस्थ भविष्य संभव हो पाएगा। यह आज सबसे बड़ी जरूरत है।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

होर्मुज में बढ़ता तनाव वैश्विक शांति के लिए सबसे खतरा

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां हालात किसी भी क्षण बड़े युद्ध में बदल सकते हैं। ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कूटनीतिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिसे दुनिया की ऊर्जा धमनियों में से एक माना जाता है, आज संघर्ष का केंद्र बन गया है। इस क्षेत्र में हर दिन बदलते हालात पूरी दुनिया को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

हाल ही में ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात पर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों ने स्थिति को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। इस हमले में हालांकि अधिकांश मिसाइलें और ड्रोन रक्षा प्रणालियों द्वारा नष्ट कर दिए गए, लेकिन कुछ हमले सफल रहे, जिनमें तेल प्रतिष्ठानों को नुकसान और नागरिकों के घायल होने की घटनाएं सामने आईं। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि क्षेत्र में तनाव अब केवल चेतावनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक सैन्य कार्रवाई में बदल चुका है।

अमेरिका द्वारा दिए गए जवाबी कदमों ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। अमेरिकी सेना का दावा है कि उसने ईरानी ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया तथा कुछ नौसैनिक इकाइयों को भी नष्ट किया, जो नागरिक जहाजों को निशाना बना रही थीं। इसके साथ ही अमेरिका द्वारा शुरू किए गए मानवीय अभियान ने भी इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर दिया है। हालांकि ईरान इसे अपने संप्रभु अधिकारों का उल्लंघन मान रहा है और लगातार सख्त प्रतिक्रिया की चेतावनी दे रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य का रणनीतिक महत्व किसी से छिपा नहीं है। विश्व का लगभग एक–चौथाई तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से होकर गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी प्रकार की बाधा सीधे वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित करती है। हाल के दिनों में तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि इस बात का संकेत है कि बाजार इस संकट को गंभीरता से देख रहा है। कई देशों में ईंधन महंगा हो चुका है और इसका असर आम जनता की जेब पर पड़ने लगा है।

यह संघर्ष केवल सैन्य टकराव नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी रणनीतिक सोच और क्षेत्रीय प्रभाव की राजनीति भी छिपी हुई है। ईरान लंबे समय से इस क्षेत्र में अपनी भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाकर रणनीतिक दबदबा बनाए रखना चाहता है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी देश इस मार्ग को वैश्विक व्यापार के लिए सुरक्षित और खुला रखना चाहते हैं। यही टकराव इस संकट की जड़ में है।

संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश इस संघर्ष के सीधे प्रभाव में हैं, क्योंकि उनके तेल प्रतिष्ठान और व्यापारिक ढांचा इस क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। हालिया हमलों के बाद वहां की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इन्हें अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा का उल्लंघन बताया है। वहीं ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने भी अपने जहाजों पर हुए हमलों की पुष्टि की है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह संकट अब बहुराष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है।

भारत जैसे देशों के लिए भी यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। इस हमले में भारतीय नागरिकों के घायल होने की घटना ने चिंता बढ़ा दी है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से पूरा होता है, इसलिए किसी भी प्रकार की बाधा उसकी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डाल सकती है। भारत ने सभी पक्षों से संयम और बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने की अपील की है, जो इस स्थिति में सबसे व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रतीत होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह तनाव लंबा खिंचता है तो इसका असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक मंदी की आशंका को भी बढ़ा सकता है। ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता, व्यापार मार्गों में बाधा और निवेश में अनिश्चितता जैसे कारक दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर सकते हैं। पहले से ही कई देशों में महंगाई और आर्थिक दबाव देखा जा रहा है, ऐसे में यह संकट स्थिति को और गंभीर बना सकता है।

कूटनीतिक दृष्टि से यह समय अत्यंत संवेदनशील है। एक ओर जहां सैन्य कार्रवाई तेज हो रही है, वहीं दूसरी ओर शांति वार्ताओं की कोशिशें भी जारी हैं। ईरान के विदेश मंत्री का यह बयान कि "इस संकट का समाधान केवल बातचीत से ही संभव है" यह संकेत देता है कि दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर बढ़ती सैन्य गतिविधियां इन प्रयासों को कमजोर कर रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह इस संकट को युद्ध में बदलने से रोके। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं की भूमिका यहां महत्वपूर्ण हो जाती है।

यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो यह संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है, जिसका परिणाम किसी भी देश के हित में नहीं होगा।

तकनीकी और सैन्य दृष्टि से भी यह संघर्ष आधुनिक युद्ध की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है, जहां ड्रोन, मिसाइल और नौसैनिक ताकतें प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में युद्ध केवल जमीन पर नहीं बल्कि समुद्र और आकाश में भी लड़े जाएंगे। ऐसे में सुरक्षा रणनीतियों में बदलाव आवश्यक हो गया है।

कहा जा सकता है कि पश्चिम एशिया का यह संकट केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए गंभीर चेतावनी है। यदि कूटनीति को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो इसके परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने पड़ सकते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी पक्ष अपने मतभेदों को पीछे छोड़कर शांति और संवाद का रास्ता अपनाएं, क्योंकि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं की शुरुआत होता है।

विचार विण्डो

ध्वनि प्रदूषण बनी एक गंभीर स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती

डॉ. शुभकाम आर्य

ध्वनि प्रदूषण आज के समय की एक गंभीर और तेजी से बढ़ती हुई स्वास्थ्य एवं सामाजिक समस्या बन चुका है। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण और तकनीकी विकास ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं दूसरी ओर वातावरण में शोर का स्तर भी खतरनाक रूप से बढ़ा दिया है। आज स्थिति यह है कि शोर केवल सड़कों, वाहनों या औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह घरों, सार्वजनिक आयोजनों, शैक्षणिक संस्थानों और मनोरंजन स्थलों तक पहुंच चुका है। लगातार बढ़ता यह शोर मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा है, जिसे नजरअंदाज करना भविष्य में भारी पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि लंबे समय तक सुनने पर श्रवण क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन वर्तमान समय में डीजे, क्लब, म्यूजिक कॉन्सर्ट और शादी समारोहों में ध्वनि स्तर अक्सर 100 से 120 डेसिबल तक पहुंच जाता है, जो अत्यंत हानिकारक है। इस तरह के तेज शोर के संपर्क में आने से कानों में स्थायी क्षति होने की संभावना बढ़ जाती है। डॉ. शुभकाम आर्य जैसे वरिष्ठ चिकित्सकों का कहना है कि लगातार तेज ध्वनि के संपर्क में रहने से टिनिटस जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिसमें व्यक्ति को कानों में सीटी या घंटी जैसी आवाज सुनाई देती है। यह समस्या धीरे–धीरे गंभीर रूप ले सकती है और कई मामलों में सुनने की क्षमता आंशिक या पूर्ण रूप से समाप्त भी हो सकती है।

ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालता है। लगातार शोर के वातावरण में रहने वाले लोगों में तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बच्चों की पढ़ाई पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जबकि बुजुर्गों के लिए यह और भी अधिक कष्टदायक साबित होता है। शहरी जीवन की तेज रफ्तार और लगातार बढ़ते शोर ने लोगों के जीवन में शांति और सुकून को कम कर दिया है।

आज शोर का दायरा केवल पारंपरिक स्त्रोतों तक सीमित नहीं रहा है। मोबाइल फोन, हेडफोन और ईयरफोन का अत्यधिक उपयोग भी इस समस्या को बढ़ा रहा है। युवा वर्ग लंबे समय तक तेज आवाज में संगीत सुनता है, जिससे धीरे–धीरे उनकी सुनने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। इसके अलावा सड़कों पर बढ़ता ट्रैफिक, लगातार बजते हॉर्न, निर्माण कार्य और सार्वजनिक आयोजनों में तेज संगीत ने वातावरण को लगातार शोर से भर दिया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया भर में लगभग एक अरब युवा शोर जनित श्रवण हानि के खतरे में हैं। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक 70 करोड़ से अधिक लोगों को श्रवण पुनर्वास की आवश्यकता पड़ सकती है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि ध्वनि प्रदूषण अब केवल स्थानीय नहीं बल्कि एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन चुका है।

भारत सहित कई देशों में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका पालन प्रभावी ढंग से नहीं हो पा रहा है। शादी, त्योहारों और राजनीतिक आयोजनों में अक्सर ध्वनि सीमा का उल्लंघन देखा जाता है। कई जगहों पर नियमों की अनदेखी आम बात हो गई है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इस समस्या के समाधान के लिए केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके सख्त यिान्वयन की आवश्यकता है। सार्वजनिक आयोजनों में साउंड मीटर का उपयोग अनिवार्य किया जाना चाहिए ताकि ध्वनि स्तर को नियंत्रित किया जा सके। डीजे और म्यूजिक सिस्टम के लिए स्पष्ट मानक तय होने चाहिए और केवल सुरक्षित डेसिबल स्तर वाले उपकरणों को ही अनुमति मिलनी चाहिए। अस्पतालों, स्कूलों और रिहायशी क्षेत्रों के आसपास साइलेंस जोन को प्रभावी रूप से लागू करना भी अत्यंत आवश्यक है।

जागरूकता इस समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग समझ सकें कि तेज शोर केवल मनोरंजन नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिए खतरा भी है। समाज को यह समझना होगा कि ध्वनि का अनियंत्रित उपयोग दूसरों के अधिकारों का भी उललंघन है।

व्यक्तिगत स्तर पर भी जिम्मेदारी आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को मोबाइल और हेडफोन का उपयोग सीमित समय और सुरक्षित वॉल्यूम पर करना चाहिए। तेज शोर वाले वातावरण में लंबे समय तक रहने से बचना चाहिए और सार्वजनिक आयोजनों में भी ध्वनि नियंत्रण का पालन करना चाहिए।

आज के दिन धोनी मारा था ऐतिहासिक छक्का

भारत ने 28 साल बाद जीता था आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट इतिहास में 2 अप्रैल 2011 की तारीख स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। इसी दिन भारतीय क्रिकेट टीम ने 28 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2011 का खिताब अपने नाम किया था। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस फाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को हराकर दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

इस ऐतिहासिक जीत का सबसे यादगार पल रहा कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का वह विजयी छक्का, जिसने करोड़ों भारतीयों के सपनों को हकीकत में बदल दिया। नुवान कुलासेकरा की गेंद पर लगाया गया यह छक्का आज भी क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में जिंदा है। उस समय कमेंट्री बॉक्स से रवि शास्त्री की आवाज-"धोनी ने शानदार अंदाज में मैच खत्म किया"-आज भी फैंस के कानों में गूंजती है। भारत की इस जीत के पीछे कई शानदार प्रदर्शन रहे। गौतम गंभीर ने 97 रन की बेहद महत्वपूर्ण पारी खेली, जब टीम शुरुआती झटकों से जूझ रही थी। उन्होंने विराट कोहली और फिर धोनी के साथ मिलकर पारी को संभाला और जीत की नींव रखी। हालांकि गंभीर अपने शतक से सिर्फ 3 रन से चूक गए, लेकिन उनकी यह पारी फाइनल की सबसे अहम पारियों में गिनी जाती है। श्रीलंका ने भी इस मुकाबले में कड़ी टक्कर दी थी। महेला जयवर्धने की नाबाद 103 रनों की शानदार पारी की बदौलत श्रीलंका ने 50 ओवर में 274 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में भारत की शुरुआत खराब रही और वीरेंद्र सहवाग व सचिन तेंदुलकर जल्दी आउट हो गए इसके बाद धोनी ने कप्तानी पारी खेलते हुए 79 गेंदों में नाबाद 91 रन बनाए और टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने 1983 के बाद पहली बार विश्व कप जीता और कपिल देव की कप्तानी में मिली पहली ट्रॉफी के बाद इतिहास दोहराया।

यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक थी। आज भी जब उस छक्के को याद किया जाता है, तो हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है।

इंदिरा गांधी के साथ मैच देखने पहुंची थीं

मैच में जीनत अमान की खो गई थी रोलेक्स घड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान ने हाल ही में अपनी जिंदगी से जुड़ा एक दिलचस्प और यादगार किस्सा साझा किया, जिसने उन्हें हमेशा के लिए महंगी घड़ियों के शौक से दूर कर दिया। यह घटना उस समय की है जब वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ एक चैरिटी क्रिकेट मैच में शामिल हुई थीं।

जीनत अमान ने बताया कि उनकी एक करीबी दोस्त अमीना, जो बेहद संपन्न परिवार से थीं, ने उन्हें एक महंगी रोलेक्स घड़ी गिफ्ट की थी। यह घड़ी उनके लिए बेहद खास थी और वह इसे अक्सर पहना करती थीं। उन्होंने कहा कि यह उनकी सबसे कीमती वस्तुओं में से एक बन गई थी। हालांकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जीनत ने बताया कि नई दिल्ली में प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए आयोजित एक चैरिटी क्रिकेट मैच में उन्होंने हिस्सा लिया। मैच खेलने से पहले सभी को अपने गहने और एक्सेसरीज उतारकर सुरक्षित रखने की सलाह दी गई थी। उन्होंने भी अपनी रोलेक्स घड़ी समेत सारा सामान एक बैग में रख दिया। लेकिन जब मैच खत्म हुआ और वह वापस लौटीं, तो उनका बैग ही गायब था। उस बैग में रखी उनकी कीमती रोलेक्स घड़ी भी चोरी हो चुकी थी। इस घटना ने उन्हें काफी दुखी कर दिया, लेकिन उन्होंने खुद को संभाला और स्थिति को स्वीकार किया। जीनत अमान ने कहा कि इस घटना के बाद उन्होंने लंबे समय तक महंगी घड़ियां पहनना छोड़ दिया। यह अनुभव उनके लिए एक सीख बन गया। हालांकि बाद में उनके बेटे ने उन्हें एक खूबसूरत घड़ी उपहार में दी, लेकिन इस घटना की याद आज भी उनके साथ जुड़ी हुई है। यह किस्सा न केवल उनके जीवन का एक अनोखा अनुभव है, बल्कि यह भी दिखाता है कि कभी-कभी छोटी सी लापरवाही बड़ी याद बन जाती है।

फैन के निधन से भावुक हुए अमिताभ बच्चन

बिग बी बोले- शब्दों में दर्द कहना मुश्किल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने हालिया ब्लॉग में एक बेहद भावुक पोस्ट साझा करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने एक खास फैन के निधन पर शोक जताया, जिसे वे अपने परिवार जैसा मानते थे। इस खबर ने उनके लाखों प्रशंसकों को भी भावुक कर दिया है।

बिग बी ने बताया कि प्रयागराज की रहने वाली उनकी फैन शालिनी सिंह, जिन्हें वे प्यार से "ईएफ" कहते थे, अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उन्होंने लिखा कि इस नुकसान को शब्दों में बयां करना बेहद कठिन है। उनके अनुसार, यह सिर्फ एक फैन नहीं, बल्कि उनके जीवन का अहम हिस्सा थीं। अपने ब्लॉग में उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसे कठिन समय में शब्द भी उनका साथ नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे केवल प्रार्थना कर सकते हैं और उनकी यादों को संजोकर रखेंगे। अमिताभ बच्चन का अपने फैंस के साथ गहरा रिश्ता हमेशा से खास रहा है, जिसे वे अपने विस्तारित परिवार का हिस्सा मानते हैं।

83 वर्ष की उम्र में भी सक्रिय बिग बी का यह भावुक संदेश दिखाता है कि उनके लिए रिश्ते सिर्फ पर्दे तक सीमित नहीं, बल्कि दिल से जुड़े होते हैं।

सड़क हादसे में मशहूर अभिनेता संतोष के नायर का निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा है। संतोष के. नायर का मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। यह हादसा केरल के अदूर इलाके में उस समय हुआ, जब वे अपनी पत्नी राजलक्ष्मी के साथ यात्रा कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक, उनकी कार एमसी रोड पर अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने संतोष नायर को मृत घोषित कर दिया। उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज जारी है। हादसे में ट्रक चालक को भी चोटें आई हैं।

संतोष के. नायर मलयालम सिनेमा और टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना चेहरा थे। उन्होंने अपने करियर में 100 से अधिक फिल्मों और कई टीवी शोज में काम किया था। उनकी आखिरी फिल्म 'मोहिनीअट्टम' रही, जिसे दर्शकों ने सराहा था।

उनके निधन की खबर से फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

विजय की राजनीति के बीच चर्चा में स्नेहा

निभाए तीन अनोखे रिश्ते

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की राजनीति में एंट्री के बाद उनके फिल्मी करियर से जुड़े दिलचस्प किस्से फिर सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक अभिनेत्री खास चर्चा में आ गई हैं, जिन्होंने विजय के साथ पर्दे पर प्रेमिका, पत्नी और मां-तीनों किरदार निभाकर फैंस को हैरान कर दिया। यह अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि स्नेहा हैं। दोनों पहली बार 2003 की फिल्म वासीगारा में साथ नजर आए, जहां स्नेहा ने विजय की प्रेमिका का रोल निभाया। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और उनकी जोड़ी हिट साबित हुई।

करीब दो दशक बाद 2024 में रिलीज फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम में दोनों फिर साथ दिखे। इस बार स्नेहा ने विजय के किरदार की पत्नी और बाद में उनके बेटे की मां का रोल निभाया। इस तरह वह उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं, जिन्होंने एक ही अभिनेता के साथ तीन अलग-अलग रिश्ते निभाए। विजय की राजनीतिक सफलता के बीच स्नेहा का यह अनोखा ऑन-स्क्रीन सफर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी का सच आया सामने

चोट के कारण नहीं खेले मुंबई इंडियंस के कप्तान

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के 47वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी ने सभी को चौंका दिया। वानखेड़े स्टेडियम में टॉस के दौरान जब उनकी जगह सूर्यकुमार यादव मैदान पर नजर आए, तो टीम में बदलाव और अंदरूनी विवाद को लेकर अटकलें तेज हो गईं। हालांकि मैच के बाद फ्रेंचाइजी और खिलाड़ियों के बयान से स्थिति साफ हो गई।

दरअसल, हार्दिक पांड्या पीठ में दर्द की समस्या के कारण इस अहम मुकाबले में नहीं खेल सके। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर फैली अफवाहों पर विराम लगाते हुए टीम से जुड़े खिलाड़ियों ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह फिटनेस से जुड़ा मामला है, न कि किसी तरह का विवाद या कप्तानी परिवर्तन।

इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। टीम की जीत में रोहित शर्मा ने अहम भूमिका निभाई और 84 रन की दमदार पारी खेली। उनके साथ ओपनिंग करने उतरे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज रियान रिकेल्टन ने भी 83 रन बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। दोनों के बीच शानदार साझेदारी ने मैच का रुख मुंबई की ओर मोड़ दिया।

मैच के बाद रिकेल्टन ने हार्दिक की चोट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें भी इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि उन्हें मैच के दिन दोपहर में ही पता चला कि कप्तान की पीठ में दर्द है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हार्दिक जल्द ही टीम में वापसी करेंगे और अपनी भूमिका निभाएंगे।

लगातार तीन हार के बाद यह जीत मुंबई इंडियंस के लिए बेहद अहम रही, जिससे टीम ने टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब सभी की नजरें हार्दिक पांड्या की फिटनेस और उनकी वापसी पर टिकी हैं, जो टीम के आगे के मुकाबलों के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

महिला के इलाज में गंभीर लापरवाही का सनसनीखेज मामला

डिलीवरी के बाद महिला के पेट में छोड़ी रुई, हालत बिगड़ी

यूनिक समय, बलरामपुर। बलरामपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला के इलाज में गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। प्रसव के बाद लगातार पेट दर्द से परेशान महिला जब अस्पताल पहुंची, तो जांच में ऐसा खुलासा हुआ कि डॉक्टर भी हैरान रह गए।

जानकारी के अनुसार, अंजू देवी नाम की महिला ने एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के जरिए बच्ची को जन्म दिया था। डिलीवरी के कुछ दिनों बाद ही उसे तेज पेट दर्द की शिकायत होने लगी। बार-बार अस्पताल जाने के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और उसे इलाज के नाम पर टाल दिया गया।

स्थिति बिगड़ने पर महिला ने दूसरे अस्पताल में जांच कराई। मेडिकल जांच में सामने आया कि ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में सर्जिकल स्पंज (रुई) ही छोड़ दिया गया था। इस लापरवाही के कारण उसकी आंतों में संक्रमण और सड़न शुरू हो गई थी। हालत गंभीर होने पर महिला का दोबारा ऑपरेशन किया गया, तब जाकर उसकी जान बच सकी। यह मामला बलरामपुर के एक निजी अस्पताल से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां डॉक्टरों और प्रबंधन की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। जांच में कुछ चिकित्सकों के पास आवश्यक योग्यता न होने की बात भी सामने आई है, जो और भी चिंताजनक है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की गंभीरता से लेते हुए संबंधित डॉक्टरों और अस्पताल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। एफआईआर दर्ज कर जांच जारी है।

यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और निगरानी की कमी को उजागर करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई और नियमित निरीक्षण बेहद जरूरी है, ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सीएम योगी ने शिक्षामित्रों को बढ़ी सैलरी के दिए चेक

यूनिक समय, गोरखपुर। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षामित्रों को सम्मानित करते हुए उनके बढ़े हुए मानदेय के चेक वितरित किए। अब प्रदेश के करीब 1.43 लाख शिक्षामित्रों को प्रतिमाह 10 हजार रुपए के बजाय 18 हजार रुपए मिलेंगे, जो अप्रैल से लागू हो चुका है।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने रवि किशन की मानद पीएचडी डिग्री को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह एक मानद उपाधि है, जिससे नौकरी नहीं मिलती। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि इस डिग्री को गले में टांगकर घूमा जा सकता है, लेकिन इसे पेशेवर पहचान के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उनके इस बयान पर कार्यक्रम में मौजूद लोग हंस पड़े, वहीं रवि किशन ने भी मुस्कुराते हुए प्रतिक्रिया दी।

सीएम योगी ने अपने संबोधन में शिक्षा व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि ड्रॉपआउट रेट को शून्य तक लाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को प्रेरित करने और अभिभावकों को भी शिक्षा से जोड़ने

सीएम ने रवि किशन की मानद पीएचडी पर ली चुटकी

की अपील की। इसके अलावा, उन्होंने गोरखपुर में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए बताया कि शहर में 71 परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिनमें से 26 का लोकार्पण और 45 का शिलान्यास किया जाएगा। इन परियोजनाओं पर करीब 612 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर की स्थिति अलग थी, लेकिन अब शहर तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

आगरा में तेज बारिश ललितपुर में गेहूं भीगा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। आगरा में मंगलवार दोपहर हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। ताजमहल का दीदार करने पहुंचे पर्यटक भी तेज बारिश में भीगते नजर आए। वहीं लखनऊ, प्रतापगढ़, अमेठी, गाजीपुर और भदोही समेत कई जिलों में सुबह से रिमझिम बारिश जारी रही, जिससे मौसम सुहावना हो गया लेकिन लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई। ललितपुर में आंधी और बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दीं। खुले गेहूं क्रय केंद्रों पर रखा हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया, जिससे भारी नुकसान की आशंका है। लखीमपुर खीरी में जलभराव की स्थिति बन गई है, जबकि कई जिलों में तेज हवाओं के साथ ठंडक महसूस की जा रही है। इस बीच एक भावुक वीडियो

पांच दिन तक अलर्ट

भी सामने आया है, जिसमें एक छोटी बच्ची ने जिलाधिकारी से अपील करते हुए कहा- "डीएम अंकल, मेरी सड़क बनवा दो।" यह वीडियो प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत को भी उजागर करता है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 42 जिलों में आंधी, बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में अयोध्या, सीतापुर और बाराबंकी में ओलावृष्टि दर्ज की गई, जबकि कई जिलों में तेज आंधी-बारिश हुई। संभल में सबसे अधिक 130 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। आंधी-बारिश के कारण कई हादसे भी हुए हैं। पीलीभीत में ईंट-भट्ठे की ऊंची चिमनी गिर गई, जबकि गाजीपुर में कच्चे मकान की दीवार ढहने से एक किसान की मौत हो गई। इससे पहले भी कई जिलों में जनहानि की खबरें सामने आ चुकी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को फील्ड में उतरकर नुकसान का आकलन करने और प्रभावितों को जल्द राहत देने के निर्देश दिए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले 4-5 दिनों तक प्रदेश में ऐसा ही मौसम बना रहेगा, जिसमें तेज हवाएं, बारिश और बिजली गिरने की आशंका बनी रहेगी।

अंबेडकरनगर हत्याकांड

एनकाउंटर में मारे गए आरोपी का शव लेने से परिजनों का इनकार

यूनिक समय, अंबेडकर नगर। अंबेडकरनगर में महिला और चार बच्चों की हत्या के आरोपी आमिर की पुलिस एनकाउंटर में मौत के बाद उसके परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया, वहीं पड़ोसियों ने भी अंतिम संस्कार करने पर सामाजिक बहिष्कार की चेतावनी दी। पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद देर रात परिजन शव लेने को राजी हुए।

शव को पहले शहजादपुर इमामबाग कब्रिस्तान ले जाया गया, लेकिन वहां दफनाने का विरोध हुआ। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में जौहरी डीह में

अंतिम संस्कार कराया गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी का महिला और उसके परिवार से पुराना विवाद था। इसी रंजिश में उसने पहले महिला पर हमला किया और फिर बच्चों की हत्या कर दी। आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें हत्या और दुष्कर्म के आरोप शामिल हैं।

एएमयू स्कूल में विवाद के बाद शिक्षिका की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

यूनिक समय, लखनऊ। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के एक स्कूल में मंगलवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब प्रिंसिपल से विवाद के बाद एक महिला शिक्षिका की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, शिक्षिका पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थीं। मंगलवार को उनकी दो ड्यूटी लगाई गई थीं, जिसे लेकर वे प्रिंसिपल से बातचीत करने पहुंचीं। आरोप है कि इस दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार हुआ, जिससे वे और अधिक आहत हो गईं। बातचीत के कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। स्कूल स्टाफ ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए उन्हें मेडिकल सहायता दिलाई और अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद स्कूल परिसर में तनाव का माहौल बन गया। फिलहाल शिक्षिका की हालत पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं और मामले को लेकर आगे की कार्रवाई की चर्चा भी शुरू हो गई है।

खत्म हुआ स्मार्ट मीटर का रिचार्ज झंझट

अब पोस्टपेड सिस्टम से बनेगा बिजली बिल

यूनिक समय, गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर व्यवस्था में बदलाव करते हुए अब पोस्टपेड सिस्टम लागू कर दिया है। इसका मतलब है कि उपभोक्ताओं को बार-बार रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं होगी और पहले की तरह महीने के अंत में बिजली बिल मिलेगा।

गाजियाबाद के मुख्य अभियंता पवन कुमार के अनुसार, नई व्यवस्था में बिलिंग प्रक्रिया पहले जैसी ही रहेगी। उपभोक्ताओं को हर महीने तय अवधि के आधार पर बिजली बिल जारी किया जाएगा, जैसे 1 तारीख से 1 तारीख या 6 तारीख से 6 तारीख तक की खपत का हिसाब। बिल मिलने के बाद भुगतान के लिए 30 दिन का समय भी मिलेगा, जिससे लोगों को राहत मिलेगी।

बिजली बिल अब डिजिटल माध्यम से उपलब्ध होगा। उपभोक्ता यूपीपीसीएल की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या व्हाट्सएप के जरिए अपना बिल आसानी से डाउनलोड कर सकेंगे। हालांकि, अब घर-घर कागजी बिल नहीं भेजा जाएगा। जिन घरों में स्मार्ट मीटर लगे हैं, वहां बिल सीधे सर्वर के जरिए तैयार होकर मोबाइल पर भेजा जाएगा, जबकि जिनके पास अभी पारंपरिक मीटर हैं, वहां मीटर रीडर जाकर रीडिंग लेगा।

हाईराइज सोसाइटी में मल्टी-पॉइंट और सिंगल पॉइंट कनेक्शन के आधार पर अलग व्यवस्था लागू रहेगी, लेकिन यह पूरी तरह विभागीय नियमों के तहत संचालित होगी।

नई व्यवस्था से बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और आसान बनेगी, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

आंधी-बारिश से जनहानि पर सीएम का सख्त रुख

24 घंटे में मिले पीड़ित को मुआवजा

यूनिक समय, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में हाल ही में आई आंधी, तेज बारिश और आकाशीय बिजली की घटनाओं ने कई जिलों में जनहानि और नुकसान की स्थिति पैदा कर दी है। इस गंभीर परिस्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए प्रशासन को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और अधिकारियों को राहत कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावित परिवारों को 24 घंटे के भीतर अनुमन्य मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही घायलों को तुरंत और समुचित इलाज मुहैया कराने पर विशेष जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करना होगा। प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में फील्ड पर रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें। साथ ही आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शासन के साथ लगातार समन्वय बनाए रखें। प्रभावित इलाकों में राहत टीमें सक्रिय कर दी गई हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति का तुरंत सामना किया जा सके। इसी बीच मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भी कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान घरों में ही रहें और खुले स्थानों, पेड़ों तथा बिजली के खंभों से दूर रहें। सरकार का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर संभव सहायता समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

केएमपी एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

यूपी पुलिस के चार जवानों सहित पांच की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली/जालौन। हरियाणा के नूंह जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश पुलिस के चार जवानों और एक वादी की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब कोतवाली उरई की पुलिस टीम एक अपहरण मामले में दबिश देने के लिए हरियाणा गई हुई थी। घटना के बाद पुलिस विभाग और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार, टीम अपहृत व्यक्ति की तलाश में तावडू क्षेत्र पहुंची थी। सुबह करीब 10 बजे केएमपी एक्सप्रेसवे पर धुलावट टोल प्लाजा के पास उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी ओवरटेक करते समय अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर ही पांच लोगों की जान चली गई। हादसे में उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, आरक्षी प्रदीप कुमार और आरक्षी अशोक कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। इनके साथ मौजूद मुकदमे के वादी अमरीक सिंह निवासी संगरूर (पंजाब), ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे शवों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। सभी

वाहन को ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा

मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में ओवरटेक के दौरान वाहन के अनियंत्रित होने को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सीएम ने मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई और अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा सरकार से समन्वय कर सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी की जाएं।

पश्चिम बंगाल में नई सरकार का शपथ ग्रहण नौ मई को

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय कर दी गई है। जानकारी के अनुसार यह समारोह नौ मई को आयोजित किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के राज्य अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने इसकी पुष्टि की है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने राज्य में बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी ने 206 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया, जबकि तृणमूल कांग्रेस को 80 सीटें मिलीं। कांग्रेस और अन्य दलों को बहुत कम सीटों पर संतोष करना पड़ा।इस चुनाव में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से हार गईं। उन्हें भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने 15 हजार से

अधिक वोटों के अंतर से हराया। इससे पहले भी 2021 में वे नंदीग्राम सीट से हार चुकी हैं। भाजपा ने अभी तक मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, शुभेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, सुकांत मजूमदार और रूपा गांगुली जैसे नेताओं के नाम संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं।

चीन के पटाखा कारखाने में भीषण विस्फोट, 21 की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। चीन के हुनान प्रांत में एक बड़े औद्योगिक हादसे में पटाखा कारखाने में हुए भीषण विस्फोट से 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 61 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सोमवार शाम को हुआ, जिसकी जानकारी मंगलवार को सरकारी मीडिया के जरिए सामने आई।

यह विस्फोट हुनान प्रांत के लियुयांग शहर के गुआंडू टाउनशिप में स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में हुआ। अचानक हुए जोरदार धमाके ने पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इमारत का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और आसपास के इलाके में भी दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया। राहत और बचाव कार्य के लिए दमकल विभाग, आपातकालीन सेवाएं और पुलिस की टीमों को मौके पर भेजा गया। मलबे में फंसे लोगों को निकालने और आग पर काबू पाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती

मलबे में फंसे लोगों को निकालने और आग पर काबू पाने के लिए अभियान चलाया गया

कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अधिकारियों ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक तौर पर विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि सुरक्षा मानकों में कमी या लापरवाही इसकी वजह हो सकती है। प्रशासन ने घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच शुरू कर दी है।

अरब सागर में फंसे भारतीय जहाज की मदद को आगे आया पाकिस्तान

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरब सागर में तकनीकी खराबी के कारण फंसे एक भारतीय जहाज के चालक दल के लिए पाकिस्तान नौसेना ने मानवीय पहल करते हुए मदद का हाथ बढ़ाया। ओमान से भारत आ रहे 'एमवी गौतम' नामक इस जहाज में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिससे वह बीच समुद्र में फंस गया। जहाज पर कुल सात चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें छह भारतीय और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, संकट में फंसे जहाज से संदेश मिलने के बाद मुंबई स्थित समुद्री बचाव और समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) ने पाकिस्तानी अधिकारियों से संपर्क कर मदद मांगी। इस अपील के बाद पाकिस्तान नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बचाव अभियान शुरू किया। इस अभियान में पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी

मुंबई केंद्र की अपील पर शुरू हुआ अभियान

(पीएमएसए) ने भी सहयोग किया। बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर चालक दल को जरूरी सहायता उपलब्ध कराई। उन्हें भोजन, पानी, चिकित्सा सुविधा और अन्य आवश्यक आपातकालीन सेवाएं दी गईं। साथ ही जहाज में आई तकनीकी खराबी को दूर करने और उसे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के प्रयास भी जारी हैं।

यह घटना समुद्री सहयोग और मानवता की मिसाल पेश करती है, जहां राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर एक देश ने दूसरे देश के नागरिकों की जान बचाने में मदद की। इससे पहले भी पाकिस्तान नौसेना इस तरह के कई बचाव अभियानों को अंजाम दे चुकी है, जिसमें विभिन्न देशों के लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर लगाया "जनादेश की चोरी" का आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने असम और पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में "जनादेश की चोरी" लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। राहुल ने दावा किया कि यह सब भारतीय जनता पार्टी के "मिशन" का हिस्सा है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि कुछ लोग तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार पर खुश हो रहे हैं, लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि यह सिर्फ एक पार्टी का मुद्दा नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की ऐसी गतिविधियां देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही भाजपा पर 100 सीटों की "लूट" का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने उनके बयान का समर्थन करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग की मदद से असम और बंगाल में चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर देशहित में सोचना जरूरी है।

नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क में ट्रैकिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरु

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क में अब ट्रैकिंग रूटों पर जाने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की जा रही है। विभाग एक विशेष पोर्टल तैयार कर रहा है, जिसे 15 मई से शुरू करने की योजना है। इसके बाद पर्यटकों को अनुमति के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नई व्यवस्था से पर्यटकों के साथ-साथ टूर ऑपरेटरों को भी बड़ी राहत मिलेगी। अब वे घर बैठे ही ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इससे प्रक्रिया आसान और समय की बचत करने वाली होगी। पहले अनुमति के लिए विभागीय कार्यालय में जाकर आवेदन करना पड़ता था। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क में क्वांरीपास, द्रोणागिरी, सतोपंत, कागभुसंडी, फूलों की घाटी और चेनाप घाटी जैसे कई प्रमुख ट्रैकिंग रूट हैं।

ब्राजील में बड़ा विमान हादसा: बिल्डिंग से टकराया छोटा विमान

हादसे में दो लोगों की मौत, तीन घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी शहर बेलो होरिजोंटे में सोमवार को एक बड़ा विमान हादसा हुआ। एक हल्का विमान अचानक नियंत्रण खोकर एक रिहायशी इमारत से टकरा गया।

टक्कर इमारत के सीढ़ी वाले हिस्से में हुई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस दर्दनाक हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विमान में सवार तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दमकल विभाग और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और इमारत को खाली कराया गया। अधिकारियों के अनुसार, इमारत में मौजूद किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई है और ढहने का कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है ताकि विमान दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। इससे पहले अमेरिका के टेक्सास में भी ऐसा ही विमान हादसा हुआ था, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी।

राघव चड्ढा ने राष्ट्रपति से की मुलाकात, आप पर लगाए आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा सांसद राघव चड्ढा ने अन्य सांसदों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जा रहा है। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार उन सांसदों को निशाना बना रही है जो भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बदले की राजनीति है और संवैधानिक अधिकारों का गलत तरीके से दमन किया जा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव

ड्रोन और मिसाइल हमलों में तीन भारतीय नागरिक घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि उसने ईरान की छह छोटी सैन्य नावों को डुबो दिया और मार्ग में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाकर वाणिज्यिक जहाजों के लिए रास्ता सुरक्षित किया।

ईरान की ओर से ड्रोन और मिसाइल हमलों के चलते क्षेत्र में स्थिति और गंभीर हो गई है। अमेरिका ने कई ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने का दावा किया है। इससे खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति बन गई है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी स्थिति पर चिंता जताई

संयुक्त अरब अमीरात में ईरानी ड्रोन हमले के कारण एक तेल सुविधा केंद्र में आग लग गई, जिसमें तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। इसके बाद हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं और सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया। ईरान और अमेरिका के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है, जबकि अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों से समर्थन मांगा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी स्थिति पर चिंता जताई है।

बादल, बयार और बूंदाबांदी से मिली राहत

बूंदाबांदी और धूप-छांव ने मौसम बनाया सुहाना

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को भी मौसम ने लोगों को राहत दे दी। सुबह से ही आसमान पर छाए काले बादलों के साथ चली शीतल बयार शरीर को सुकून देती रही। वैसे, मौसम का मिजाज भी कई तरह का दिखा, कहीं फुहार बरसीं तो कहीं बूंदाबांदी हुई, जबकि कहीं धूप और छांव का मिलन लोगों को खुशी देता रहा। मौसम विभाग ने 10 मई तक ऐसे मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है।

मंगलवार की सुबह आसमान में छाए काले बादल।

सुबह से आसमान पर बादल छाए हुए थे। काले बादलों की मौजूदगी के साथ चलने वाली बयार लोगों को राहत दे रही थी। करीब सात बजे आसमान पर छाए काले बादल और गहराये तो कहीं बूंदाबांदी हो गई, जबकि कहीं फुहार शरीर को राहत दे गईं। इसके बाद मौसम कुछ साफ हुआ तो धूप निकल आई, लेकिन बादलों की वापसी से मौसम फिर से सुहाना हो गया। वहीं, कुछ क्षेत्रों में बूंदाबांदी तो नहीं हुई, लेकिन आसमान पर दिन भर बीच-बीच में छाए बादल लोगों को धूप से राहत देते रहे। वहीं, मौसम विभाग ने 10 मई तक ऐसे ही मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र

कहीं रिमझिम फुहार तो कहीं हो गई बूंदाबांदी

कुमार के अनुसार पश्चिमी विक्षोम 10 मई तक सक्रिय रह सकता है, इसकी वजह से आकाशीय गर्जना के साथ बूंदाबांदी हो सकती है, आसमान पर भी काले बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान लू चलने की संभावना नहीं है। मौसम इन दिनों सुहावना बना हुआ है तो तापमान में भी गिरावट आई है। अधिकतम तापमान में करीब 11 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में करीब नौ डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सरकारी जमीन पर कब्जा, शिकायत के बाद ग्रामीणों पर हमला

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन क्षेत्र के नगला सपेरे में सरकारी परिसर पर अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे पक्का करने के लिए चारदीवारी खड़ी करनी शुरू कर दी, जिससे मामले के सबूत भी खत्म किए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने इस पूरे प्रकरण की शिकायत तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर प्रशासन से की थी। बताया जा रहा है कि शिकायत से बौखलाए दबंगों ने रात्रि के समय बाहरी लोगों को बुलाकर गांव में हमला करवा दिया। इस दौरान कई घरों पर पत्थर फेंके गए, हथियारों का प्रदर्शन किया गया और लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश की गई। रामा, सुषमा सहित अन्य स्थानीय लोगों का कहना है कि एक ओर सरकार

समाधान दिवस में गुहार लगाने से नाराज दबंगों ने रात में किया उत्पात

घरों पर पथराव और दी जान से मारने की धमकी

स्वच्छता अभियान के तहत खुले में शौच को खत्म करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक उपयोग की सरकारी भूमि पर इस तरह का कब्जा गंभीर चिंता का विषय है।

मामले को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताया, जिसके बाद प्रशासन ने जांच का भरोसा दिलाया है। गोवर्धन क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार के अनुसार, मामला संज्ञान में है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम की टीम व पुलिस ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

बड़ी संख्या में पुलिस और नगर निगमकर्मी हुए शामिल

यूनिक समय मथुरा। एसपी सिटी और एसपी ट्रैफिक और अपर नगर आयुक्त के निर्देशन पर बड़ी संख्या में पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों ने गोवर्धन चौराहा, मंडी चौराहे की सर्विस रोड और एफसीआई गोदाम तक सड़क किनारे होने वाले अतिक्रमण को हटवाया। इसके साथ ही अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी।

आज अपर नगर आयुक्त सोरब सिंह ने एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह और एसपी यातायात राजेश कुमार तिवारी के साथ मिलकर संयुक्त रूप से गोवर्धन चौराहे से मंडी के लिए जाने वाली सर्विस रोड पर होने वाले अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान में इंस्पेक्टर हाईवे, इंस्पेक्टर कोतवाली, चौकी कृष्णानगर प्रभारी और फोर्स के साथ टीएसआई शौर्यकुमार सिंह और ट्रैफिक पुलिसकर्मी शामिल थे। नगर निगम की टीम ने रोड पर किए जाने वाले अतिक्रमण को हटवाया। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस

अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाते नगर निगम और पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी।

ने वहां गलत तरीके से पार्क किए गए वाहनों के चालान किया। अभियान गोवर्धन रोड पर एफसीआई गोदाम तक भी चलाया गया। अतिक्रमण करने वालों का सामान भी नगर निगम के कर्मचारी ट्रैक्टरों में भर कर ले गए। भारी संख्या में पुलिस और नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा चलाए गए अतिक्रमण अभियान के चलते सड़क किनारे अतिक्रमण कर मार्ग को अवरुद्ध करने वालों में हड़कम्प मचा रहा। कुछ लोग तो इस दौरान अपना सामान लेकर भागते दिखाई दिए। अधिकारियों ने अतिक्रमण करने वालों के चेतावनी दी कि अगर दोबार इस तरह का अतिक्रमण करते पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्ग ग्रामीण ने सचिव पर लगाया जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर सुविधा शुल्क का आरोप

यूनिक समय, गोवर्धन। मामला गोवर्धन तहसील के ग्राम पंचायत सौंख के गांव नगला तसिया का है जहां बुजुर्ग हरबीर सिंह ने अपने नातियों नेत्रपाल और गुलशन का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन किया था। बुजुर्ग के अनुसार ग्राम सचिव नीलम अग्रवाल के पास आवेदन पहुंचा तो ग्राम सचिव नीलम अग्रवाल अपने पति के साथ गोवर्धन ब्लॉक पर मिलीं और उसके पति भरत गर्ग ने 300 रुपये सरकारी फीस के लिए मांगे। अब जन्म प्रमाण पत्र बन गया है, मगर देने से पहले 500 रुपए मांगे जा रहे हैं, इसकी लिखित शिकायत पीड़ित हरवीर सिंह ने जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल को दी तो जिला पंचायत राज अधिकारी ने कहा कि मैं सचिव और आप को आमने सामने बिठाकर समाधान करवाऊंगा आप 2 मई को 10 बजे सुबह आ जाना, जब पीड़ित 2 मई को फोन पर आ जाने की बात करके जिला पंचायत राज अधिकारी

जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर रुपये मांगने का आरोप

बुजुर्ग ग्रामीण ने सचिव पर लगाये गंभीर आरोप

28 अप्रैल को डीपीआरओ को लिखित शिकायत के बाद नहीं हुआ समाधान

ऑफिस पहुंचा तो डीपीआरओ का कहना था कि आफिस आने की तारीख आपको गलत दे दी गई थी अब आप सोमवार को आना। पीड़ित का कहना है मुझे जानबूझकर घुमाया जा रहा है मैं 70 वर्ष की उम्र में चक्कर काट रहा हूं, मैं शासन प्रशासन से ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ न्याय की गुहार लगाता हूं। वहीं गांव आशा नगला निवासी जगदीश का कहना है मेरे भी बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए रुपए मांगे गए थे।

अपहृत बच्चा ढावे पर बैठा रोता रहा

यूनिक समय मथुरा। ट्रैफिक पुलिस किस तरह काम कर रही है। इस बात की बानगी मंगलवार को वृंदावन के पानीगांव रोड पर देखने को मिली। होटल पर अपहृत बच्चा रोता रहा। होटल मालिक द्वारा ट्रैफिक पुलिस से इस बारे में मदद मांगी गई, लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर दिया।

वृंदावन के एक आश्रम से खाना खाने के दौरान बरतन साफ करने के लिए गये माता-पिता के एक तीन साल के बच्चे को वहां से एक व्यक्ति ले गया। लौट कर आने पर बच्चा गायब होने से माता पिता का बुराहाल था। इस मामले में कोतवाली पुलिस बच्चे की तलाश कर रही थी। वहीं दूसरी

ट्रैफिक पुलिस ने ढावा मालिक की नहीं सुनी

ओर काशीराम कालोनी के समीप पानी गांव रोड पर एक ढावे पर बैठा बच्चा रो रहा था। ढावा मालिक बच्चे को लेकर परेशान था। ढावा मालिक ने वहां बैठने वाले ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को इस बारे में बताते हुए मदद करने को कहा, लेकिन उन्होंने इस पर कोई ध्यान तक नहीं दिया। बाद में कोतवाली पुलिस को जब इस बात का पता लगा तो वहां से आया सिपाही बच्चे को पहचान कर अपने साथ कोतवाली ले गया। बच्चे को पाकर उसके मां बाप बेहद खुश हैं।

शिक्षा मित्र सम्मान समारोह में बांटे गए बढ़े मानदेय

शिक्षा मित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण समारोह में यूपी के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण एवं विधायकों के साथ डीएम और सीडीओ।

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शिक्षा मित्र सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण का शुभारंभ पंचजन्य प्रेक्षागृह सभागार में हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गोरखपुर में आयोजित शिक्षामित्र सम्मान एवं बढे हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया।

मथुरा में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने शुभारंभ किया। सबसे पहले मंत्री ने शिक्षा मित्रों के योगदान की सराहना की और कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा मित्रों का सम्मान एवं मानदेय वृद्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पीएमश्री उच्च प्राथमिक विद्यालय बाटी, प्राथमिक विद्यालय विर्जापुर, प्राथमिक विद्यालय सनोरा, प्राथमिक विद्यालय गढ़ी रौसु के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

विशिष्ट अतिथियों में विधायक मेघश्याम सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

जिलाधिकारी सीपी सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने शिक्षा मित्रों को सम्मानित किया। कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण से प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मित्रों को सम्मानित किया गया तथा बढ़े हुए मानदेय का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर शिक्षामित्र संगठन के जिलाध्यक्ष खेम सिंह चौधरी एवं दुष्यंत सारस्वत ने शासन के निर्णय का स्वागत किया।

शिक्षा मित्रों को सम्मान, मंत्री ने किया शुभारंभ

पंचजन्य सभागार में शिक्षा मित्र सम्मान कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कैलाश शुक्ला, खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश त्रिपाठी, बुद्धसेन सिंह, गिर्राज प्रसाद, नरेंद्र सिंह, विनय प्रताप, जिला समन्वयक विक्रांत कुमार, एसआरजी अमित कुमार, शिव कुमार, दिव्या मिश्रा, एआरपी मुरारी लाल, अनुपम, गिरीश कौशिक, स्तुति पांडेय, देव कुमार, कपिल कुमार, सुनीता, देवेंद्र, तेजपाल, प्रकाश, जितेन्द्र, पूरन किशोर, संजय सिंह, महेश, प्रीती भटनागर एवं शुषेन्द्र मित्तल आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संयोजन अमित कुमार अद्धभुत एवं संचालन मुकेश अग्रवाल एवं प्रीती सिंह ने किया।

धूमधाम से निकाली गई परशुराम शोभायात्रा

यूनिक समय,गोवर्धन/सुरीर। क्षेत्र के गांव पैंठा एवं सुरीर में भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर भव्य एवं आकर्षक शोभायात्राओं का आयोजन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का संदेश दिया।

गांव पैंठा में निकाली गई शोभायात्रा में भगवान परशुराम, राधा-कृष्ण, हनुमान, भगवान शिव, रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद की आकर्षक झांकियां शामिल रहीं। बैंड-बाजों और डीजे की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। शिव और गणों का नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान चिंटू जोशी, लखन, राहुल भूरा, सोनू शर्मा, टीकम जोशी, दाऊजी प्रधान राधावल्लभ, राकेश छोटू प्रधान, नरेंद्र लवानिया, कृष्णा पंडित, नरेश जोशी सहित ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। सुरक्षा व्यवस्था में एसआई महेश यादव, विनीत तोमर और प्रभाकर सहित पुलिसकर्मी मुस्तैद रहे। वहीं, सुरीर कलां में शोभायात्रा की शुरुआत परशुराम मंदिर (पुराना डाकखाना) से हुई जो पुरानी पेठ बाजार, नया बाजार, बस स्टैंड और स्टेट बैंक मार्ग से होते हुए पुनः मंदिर पर संपन्न हुई। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस आयोजन में भूरा शर्मा, भुवनेश शर्मा, विकास शर्मा, पुनीत शर्मा, संजू रावत, पप्पू शर्मा और संतोष उपमन्यु सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।